राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,10 अप्रैल-2023 वर्ष-6,अंक-75 पृष्ठ-08 मूल्य-01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सचिन पायलट ने गहलोत के खिलाफ खोला मोर्चा, 11 अप्रैल को एक दिन का अनशन रखेंगे

जयपुर। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट एक दिन का अनशन रखेंगे। 11 अप्रैल को जयपुर के शहीद स्मारक पर ऱखेंगे। गहलोत सरकार द्वारा कार्रवाई नहीं करने के विरोध में रखेंगे अनशन। पूर्व डिप्टी सीएम और काग्रेस विधायक सचिन पायलट ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर सीएम अशोक गहलोत को घेरा है । अब सचिन पायलट अपनी ही सरकार के खिलाफ 11 अप्रैल को ज्योतिबा फुले की जयंती पर शहीद स्मारक पर अनशन करेंगे। पायलट ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जब हमारी सरकार बनी थी तब भ्रष्टाचार को लेकर हमने मिलकर कई बातें कहीं थी लेकिन अब तक यह काम नहीं हुए हैं। इसे देखते हुए मैं 11 अप्रैल को शहीद स्मारक पर एक दिन का अनशन करेंगे। यह अनशन उन बातों को रखने और उन्हें करने लिए किया जा रहा है जो अब तक हमारी सरकार द्वारा नहीं हुई ।

सीएम गहलोक पर साधा निशाना

सचिन पायलट ने राजधानी जयपुर में मीडिया से करते हुए इशारों में सीएम अशोक गहलोत पर जमकर निशाना साधा। पायलट ने कहा कि 2013 में कांग्रेस पार्टी की सरकार थी और हम चुनाव हार गए थे।

इसके बाद में मुझे कांग्रेस अध्यक्ष बनाया। पूरे पांच साल का कार्यकाल रहा। इस कार्यकाल में वसुंधरा राजे की सरकार थी। उस सरकार का नीतियों के आधार पर विरोध किया। वसुंधरा सरकार में भ्रष्टाचार हुए। हम लोगों ने भ्रष्टाचार के प्रकरण सामने आए। उजागर किया। जनता तक गए। कांग्रेस की बात को जनता ने स्वीकार किया। यही कारण है कि जनता ने कांग्रेस को विजयी बनाया। वसुंधरा सरकार पर जो हमने आरोप लगाए हम सभी कांग्रेस नेताओं ने लगाए थे। हमने जनता से वादा किया था। भाजपा के शासन में करप्शन के मुद्दे आए है। प्रभावशाली तरीके से, निष्पक्ष तरीके से जांच कराएंगे। दोषियों को सजा देंगे। मैंने कभी भी प्रतिशोध की भावना का समर्थन नहीं किया।

गहलोत ने मेरी चिट्ठी का जवाब नहीं दिया

सचिन पायलट ने कहा कि आज से करीब सवा साल पहले मैंने सीएम गहलोत को चिट्ठी लिखी थी। चिट्ठी में मैंने पूरे विस्तार से घटनाक्रम का विवरण रखा। मैंने कहा कि हमारी सरकार बने हुए साढ़े तीन साल हो गए है। अब समय आ गया है कि हम लोग अपने वादों पर खरा उतरे। जो आऱोप मैंने और गहलोत ने लगाए थे। भूमाफिया के, शराब माफिया के खनन माफिया के, ललित मोदी को लेकर, खान माफिया को लेकर। वो सारे पब्लिक डोमेने में है। मैंने आग्रह किया था। हमें यह दिखाना पड़ेगा कि हमारी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। मैंने आरोप लगाए थे। सीएम को दी। एआईसीसी में चिट्ठी भेजी थी। मेरी चिट्ठी का कोई जवाब नहीं दिया। जनता ने हम पर विश्वास किया। हम 2013 के चुनाव में 21 सीटों पर रह गए थे। फिर हम 21 से 100 पर पहुंचे।

गहलोत एजेंसियों का सदुयोग नहीं कर रही है

पायलट ने कहा कि हम चाहते है कि जब जनता के बीच सिर्फ 6-7 महीने जाने का समय बचा है, तो हम लोग पब्लिक में जाए। उससे पहले हम कुछ कार्रवाई करें। पायलट ने कहा कि मोदी सरकार ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग समेत तमाम जांच एजेंसियों को का दुरुपयोग कर रही है। ये पूरा देश जानता है इस बात को। विपक्ष भी बोलता है। हम लोग भी बोलते है। एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। 95 फीसदी ईडी की कार्यवाही विपक्ष पर हो रही है। केंद्र सरकार एजेंसियों का दुरुपयोग कांग्रेस की लीडरशिप को टारगेट कर रही है। फर्जी केस बनाए जा रहे हैं। चाहे वह नेशनल हेराल्ड का केस है। चाहे यंग इंडियन का केस है। समन आ रहे हैं। नोटिस आ रहे हैं। पेशी लग रही है। एक तरफ मोदी सरकार ऐसा काम कर रही है। राजस्थान में हमारी सरकार है, हम एजेंसियों का सदुपयोग नहीं कर रहे हैं। ये बड़ा विचित्र मामला था। मैं बड़ा चिंतित हूं। एक साल से ज्याद का समय हो गया। जनता को .यह नहीं लगना चाहिए कि हम कहते कुछ और है। करते कुछ औऱ।

दीपक बॉक्सर के बाद अब विदेश भागे इन 5 बड़े गैंगस्टर्स पर शिकंजा कसने की तैयारी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस द्वारा बीते दिनों अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई की मदद से मेक्सिको से दबोचे गए भारत के कुख्यात गैंगस्टर दीपक बॉक्सर के बाद एनसीआर में आतंक का पर्याय बने पांच बड़े गैंगस्टर को विदेशी एजेंसियों की मदद से पकड़ने की तैयारी है। इसके लिए योजना बनाई गई है। इन गैंगस्टर्स के बारे में एजेंसियों को पता लगा है कि ये ऑस्ट्रिया, लंदन, कनाडा, अर्मीनिया और थाईलैंड से अपने गैंग चला रहे हैं। इसके लिए दिल्ली पुलिस अंतरराष्ट्रीय एजेंसी इंटरपोल की मदद से इन देशों की एजेंसियों के संपर्क में है। पिछले दिनों केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विदेश से ऑपरेट करने वाले देश के कई हिस्सों के गैंगस्टर की एक सूची तैयार की है। इसमें एनसीआर के ऐसे पांच गैंगस्टर सहित देशभर के कुल 28 गैंगस्टर के नाम शामिल हैं। इसके लिए चार-पांच बार हुई बैठकों में एनआईए, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल, गृह मंत्रालय और आईबी के सीनियर अधिकारी मौजूद थे। बैठक में निर्णय लिया गया कि ये गैंग आतंकियों की तरह ही काम कर रहे हैं, इसलिए आतंकी गतिविधियों की तरह इनके खिलाफ भी जांच कराई जाए और इन्हें हर हाल में दबोचा जाए।

इन राज्यों तक फैला है नेटवर्क

विदेश में बैठे कुख्यात गैंगस्टर का नेटवर्क दिल्ली, हरियाणा, यूपी, राजस्थान, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल महाराष्ट्र, और पश्चिम बंगाल तक फैला है। खुफिया सूत्रों की मानें तो इनके गुर्गे रंगदारी, लूट, हत्या और डकैती को तो अंजाम दे रहे हैं। साथ ही, पाकिस्तानी खुफिया इकाई इन्हें पैसों का लालच देकर नार्को टेररिज्म का नेटवर्क स्थापित करने में भी जुटी हुई है।

इन बदमाशों की तलाश

लकी पटियाल-कुख्यात गैंगस्टर लकी पटियाल अर्मीनिया से अपने गैंग को ऑपरेट कर रहा है। इसका आका दविंदर बंबीहा एनकाउंटर में मारा गया था।

गोल्डी बराड़-गैंगस्टर गोल्डी बराड कनाडा में बैठकर गैंग का संचालन कर रहा है। इसका आका लॉरेंस बिश्नोई कई साल से जेल में बंद है।

हिमांशु- हिमांशु अपने आका नवीन बाली के सलाखों के पीछे पहुंचने के बाद गैंग की कमान संभाल रहा है।

तेल निकालने वाली गर्मी के लिए रहें तैयार

दिल्ली में 13 अप्रैल से बढ़ने लगेगा तापमान

नई दिल्ली। राजधानी में न्यूनतम तापमान में शनिवार को काफी कमी दर्ज की गई। न्यूनतम तापमान सामान्य से छह डिग्री तक रहा। हालांकि, मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली में अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। आगामी 13 अप्रैल तक तापमान 37 डिग्री तक पहुंच सकता है। वहीं, उस समय तक न्यूनतम तापमान 17 डिग्री के आसपास रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को जहां दिल्ली का न्यूनतम तापमान 15.4 डिग्री था तो वहीं शनिवार को यह 14.1 डिग्री दर्ज किया गया, जो कि सामान्य से छह डिग्री कम रहा। मौसम विभाग का मानना है कि अगले तीन से चार दिनों तक न्यूनतम तापमान 14 से 15 डिग्री के बीच ही बना रहेगा।

हवा धीमी होने के कारण फिर प्रदूषण खराब श्रेणी में पहुंचा-राजधानी में हवा की रफ्तार धीमी पड़ने से प्रदूषण एक बार फिर बढ़ने लगा है। शुक्रवार को जहां दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक 142 दर्ज किया गया तो वहीं शनिवार को यह 168 पर पहुंच गया। फिलहाल यह मध्यम श्रेणी में है, लेकिन आगामी 10 अप्रैल को यह खराब श्रेणी में जा सकता है। द्वारका स्थित एनएसआईटी के समीप शनिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 307 दर्ज किया गया जो बेहद खराब श्रेणी में आता है। वहीं, आईटीओ पर वायु गुणवत्ता सूचकांक 93 रहा जो संतोषजनक माना जाता है। सफर के मुताबिक, दिल्ली में बीते 10 दिनों से प्रदूषण काफी कम रहा है। शनिवार को इसमें हल्की वृद्धि हुई है, लेकिन अभी भी यह मध्यम श्रेणी में बना हुआ है।

कैसी होगी अयोध्या में रामलला की मूर्ति? वासुदेव कामथ के स्केच पर लग गई मोहर

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण तेजी से चल रहा है। पूरी दुनिया में लोग राम मंदिर तैयार होने के बाद यहां आकर रामलला के दर्शन करने को आतुर हैं। जाहिर सी बात है कि मंदिर के गर्भगृह में स्थापित होने वाली रामलला की मूर्ति बेहद खास होगा। मामले से जुड़े लोगों की मुताबिक रामलला की मूर्ति मुंबई के कलाकार वासुदेव कामथ के स्केच पर आधारित हो सकती है। कामथ ने पेंसिल से बनाया गया रामलला का स्केच रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की मीटिंग में पेश किया था। यह बैठक शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। बताया जा रहा है कि उनके स्केच को चयनित कर लिया गया है। हालांकि अभी इसका औपचारिक ऐलान नहीं किया गाय है। इसके अलावा मीटिंग में इस बात पर भी फैसला नहीं हुआ कि इस मूर्ति को बनाने के लिए कौन से पत्थर का इस्तेमाल किया जाएगा। इस बैठक में ट्रस्ट के सदस्य, राम मंदिर निर्माण समिति के लोग और शिल्पकारों की टीम भी मौजूद थी।

● मामले से जुड़े लोगों की मुताबिक रामलला की मूर्ति मुंबई के कलाकार वासुदेव कामथ के स्केच पर आधारित हो सकती है। कामथ ने पेंसिल से बनाया गया रामलला का स्केच रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की मीटिंग में पेश किया था। यह बैठक शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी।

बता दें कि कामथ का जन्म कर्नाटक में हुआ लेकिन उन्होंने मुंबई को अपनी कर्मभूमि बनाया। रामायण पर आधारित उनकी 28 पेंटिंग की श्रृंखला को पूरे विश्व में नाम हासिल हुआ। कामथ पौराणिक और ऐतिहासिक पेंटिंग बनाने के लिए जाने जाते हैं। बता दें कि ट्रस्ट ने कर्नाटक से पांच, राजस्थान से चार, ओडिशा से एक और नेपाल से दो शिलाएं मंगवाई थीं। शनिवार को आयोजित की गई बैठक में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय भी मौजूद थे। हालांकि वह तत्काल दिल्ली लौट गए क्योंकि रविवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी रामलला का पूजन करने अयोध्या पहुंच रहे हैं। ट्रस्ट ने रामलला की मूर्त बनाने के काम में शिल्पकारों को लगाया है। इसके अलावा श्रीराम का बचपन दिखाने वाली भी एक मूर्ति बनाई जाएगी। इस साल दिसंबर में ही राम मंदिर के उद्घाटन का कार्यक्रम शुरू हो जाएगा। वहीं य 14 जनवरी को मकर संक्रांति के मौके पर रामलला की मूर्ति की स्थापना के साथ खत्म होगा।

कर्नाटक में अमूल दूध पर गर्माई सियासत, राज्य के किसानों के समर्थन में उतरे व्यवसायी

बेंगलुरु। अमूल ब्रांड की एक घोषणा के बाद कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले सियासत गर्मा गई है।ब्रुहट बेंगलुरु होटल्स एसोसिएशन ने राज्य के (डेयरी) किसानों का समर्थन करने के लिए केवल नंदिनी दूध का उपयोग करने का फैसला किया है। बृहत बेंगलुरु होटल्स एसोसिएशन ने एक बयान में अमूल का नाम लिए बगैर कहा कि कन्नडिगा को केवल नंदिनी दुग्ध उत्पादों का प्रचार करना चाहिए। हमारे किसान कर्नाटक में नंदिनी दूध का उत्पादन करते हैं, और हमें इसे प्रोत्साहित करना चाहिए। हमारे शहर में, स्वच्छ और स्वादिष्ट कॉफी स्नैक्स की रीढ़ है। हम इसे बड़े गर्व के साथ प्रोत्साहित करते हैं। ब्रुहट बेंगलुरु होटल्स एसोसिएशन ने हाल ही में अन्य देशों से दूध के आयात की सूचना दी है। कर्नाटक में राज्य संघ ने कहा, हम सभी नंदिनी हैं।

इससे पहले, कांग्रेस ने भाजपा पर राज्य के दुर्जेय डेयरी ब्रांड नंदिनी को मारने की साजिश रचने का आरोप लगाया था।

खबरदार ! अगर पत्नी ने पति को कहा निकम्मा-बेरोजगार, तो बन सकता है तलाक का आधार

नई दिल्ली। अगर कोई पत्नी अपने पति को कायर कहती है या उसे निकम्मा या बेरोजगार कहती है तो यह दोनों के बीच तलाक का मजबूत आधार हो सकता है। हाल ही में कलकत्ता हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में यह व्यवस्था दी है। कोर्ट ने ये भी कहा कि अगर कोई महिला अपने पति पर उसके माता-पिता से अलग रहने का दबाव बनाती है या इसके लिए उसे मजबूर करती है, तो वह भी तलाक का आधार होगा। बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस सौमेन सेन और जस्टिस उदय कुमार की बेंच ने कहा कि भारतीय परिवार में बेटे का शादी के बाद भी अपने माता-पिता के साथ रहना आम बात है और अगर उसकी पत्नी उसे उसके माता-पिता से अलग करने का कोई प्रयास करती है,तो उसके लिए कोई न्यायोचित कारण होना चाहिए। हाई कोर्ट की खंडपीठ ने कहा, भारतीय संस्कृति अपने माता-पिता के भरण-पोषण के लिए पुत्र के पवित्र दायित्व की अवधारणा का पोषण करती है। अगर कोई पत्नी किसी पुत्र (अपने पति) को सामान्य प्रथा और समाज की सामान्य प्रथा से विचलित करने का प्रयास करती है, तो उसके पास इसके लिए कुछ उचित कारण होने चाहिए। अगर पत्नी चाहती है कि पति अपने माता-पिता और परिवार से अलग हो जाए, तो पत्नी के कहने पर माता-पिता से अलग हो जाना भारत में बेटे के लिए आम बात नहीं है।

बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस सौमेन सेन और जस्टिस उदय कुमार की बेंच ने कहा कि भारतीय परिवार में बेटे का शादी के बाद भी अपने माता-पिता के साथ रहना आम बात है

खंडपीठ पश्चिम मिदनापुर में परिवार अदालत के 25 मई, 2009 के उस आदेश को चुनौती देने वाली एक पत्नी की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें पति को क्रूरता के आधार पर तलाक देने का आदेश दिया गया था। फैमिली कोर्ट ने 2 जुलाई, 2001 को जोड़े के विवाह को भंग कर दिया था। खंडपीठ ने कहा कि मामले में पत्नी के लिए पति को अलग होने के लिए कहने का कोई उचित कारण नहीं था, सिवाए घरेलू मुद्दों पर अहंकार के टकराव और वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति से संबंधित समस्याओं के उदाहरणों के अलावा। मामले में पति पत्नी की प्रताड़ना और उलाहना से तंग आकर अपने शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन की खातिर अपने माता-पिता को छोड़कर उनके घर से किराए के घर में चला गया था।

दिल्ली में कोरोना ने पकड़ी रफ्तार, क्या फिर बंद होंगे बाजार ? सख्ती से बचने को व्यापारियों ने शुरू किए ये उपाय

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण के तेजी से बढ़ते मामलों को देखते हुए एक बार फिर से लॉकडाउन जैसी स्थिति और अन्य प्रकार की स्थिति से बचने के लिए व्यापारियों ने भी उपाय शुरू कर दिए हैं। दिल्ली के बड़े बाजारों में दुकानदारों ने बिना मास्क सामान न देना का फैसला लिया है। ग्राहकों से मास्क पहने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने की अपील की जा रही है। दुकानों में सिर्फ उन्हीं ग्राहकों को सामान बेचे रहे हैं जो मास्क पहनकर आ रहे हैं। शनिवार को सरोजिनी नगर बाजार में कोरोना से बचाव के लिए मास्क पहने और सैनिटाइजर का इस्तेमाल करने की अनाउंसमेंट की गई। सरोजिनी नगर मिनी मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रधान अशोक रंधावा का कहना है कि लगातार संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। ऐसे में सबसे ज्यादा जरूरत बाजारों में ही सावधानी बरतने की है। इसके लिए सभी व्यापारियों ने तय किया है कि दुकान पर भी स्टाफ मास्क पहनेंगे। इसके साथ ही बाजार को जोड़ने वाले छह गेट पर भी लोगों से अपील की जा रही है कि वो मास्क पहनकर ही बाजार में जाएं।

अशोक रंधावा ने बताया कि सप्ताह के अंत में बाजार में 70-80 हजार लोग खरीदारी करने के लिए आते हैं। ऐसे में सबसे संक्रमण बढ़ने का ज्यादा खतरा है। हमारी जिम्मेदारी बनती है कि ग्राहकों और अपने स्टाफ को कोरोना प्रोटोकॉल के नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करें।

इधर, फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा ने बताया कि यहां पर दूसरे राज्यों से भी लोग खरीददारी करने के लिए आते हैं। इसलिए अब हम भी अपने स्तर पर सावधानी बरत रहे हैं। व्यापारियों से कहा गया है कि वो कोरोना प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन कराएं।

कोरोना से बचाव के लिए मास्क पहनने और सैनिटाइजर का इस्तेमाल करने की अनाउंसमेंट कर रहे

व्यापारी बोले- खुद भी और खरीदारी करने के लिए आने वाले से प्रोटोकॉल का पालन कराएंगे

दिल्ली में शनिवार को कुल 535 नए कोरोना संक्रमित मिले

राजधानी दिल्ली में शनिवार को कुल 535 नए कोरोना संक्रमित मिले। अच्छी बात यह रही कि एक भी कोरोना संक्रमित की पिछले 24 घंटे में जान नहीं गई। शुक्रवार को 700 से ज्यादा मरीज सामने आए थे।

दिल्ली में कोरोना के 2232 सक्रिय मरीज हो गए हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, शनिवार को कोरोना को 535 नए मामले सामने आए। वही 634 मरीजों को कोरोना से स्वस्थ मान लिया गया है। शनिवार को 2321 लोगों की कोरोना की जांच हुई जिसमें 23.05 फीसदी लोग संक्रमित पाए गए।

दिल्ली में कोरोना के सक्रिय मरीज में से 1570 होम आइसोलेशन में, जबकि 126 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। अस्पतालों में भर्ती मरीजों में से 12 वेंटीलेटर पर, 60 आईसीयू में और 43 ऑक्सीजन सपोर्ट पर भर्ती हैं।

संपादकीय

तेल की तपिश

ऐसे वक्त में जब रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते दुनिया की कच्चे तेल आपूर्ति की स्थापित व्यवस्था ध्वस्त हो गई, तेल एक राजनीतिक हथियार भी बन गया है। ओपेक सदस्य देशों द्वारा तेल उत्पादन में हालिया कटौती से दुनिया में महंगाई की आग बढ़ने की आशंका पैदा हो गई है। दरअसल, सऊदी अरब, कुवैत, इराक आदि देशों ने यकायक तेल उत्पादन में प्रतिदिन सोलह लाख बैरल के करीब कटौती की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के दाम तुरंत बढ़ गए। पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे उन देशों की अर्थव्यवस्था के लिये इससे बड़ी चुनौती पैदा हो गई, जिनकी अर्थव्यवस्था आयातित कच्चे तेल पर आधारित है। दरअसल, अरब देश दलील दे रहे हैं कि दुनिया की आर्थिकी में मंदी की आहट के बीच तेल उत्पादन में कटौती की है। उन्हें आशंका है कि यदि मंदी आई तो तेल की मांग कम हो जाने से उसकी कीमत में भारी गिरावट आ सकती है। बहरहाल , दुनिया के तेल बाजार में इस घोषणा से उतार-चढ़ाव देखने में आ सकते हैं। दरअसल, बीते साल यूक्रेन पर रूसी युद्ध के बाद कच्चे तेल की कीमतों में जो अप्रत्याशित वृद्धि का सिलसिला शुरू हुआ था, वो भले ही अब थम गया था, लेकिन हालिया कटौती से फिर दाम बढ़ने की आशंका बलवती हुई है। खासकर उन देशों की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं जिनकी अर्थव्यवस्था तेल आयात पर ज्यादा निर्भर है। कोरोना संकट और रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद विश्वव्यापी महंगाई का ट्रेंड थमने का नाम नहीं ले रहा है। कई देशों में महंगाई के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं, कई अर्थव्यवस्थाओं का दिवाला निकल गया है। धीरे-धीरे इन देशों में जरूरी वस्तुओं की खरीद मुश्किल होगी तो आक्रोश में वृद्धि ही होगी। इसके साथ ही परिवहन सेवा व माल ढुलाई की व्यवस्था महंगी होने से महंगाई को और अधिक बल मिलने की भी आशंका है। दरअसल, दुनिया में बदलते सामरिक संतुलन ने भी तेल के खेल को गहरे तक प्रभावित किया है। अब तक जो ओपेक कीमत व उत्पादन निर्धारण में अमेरिकी प्रभाव में रहा करता था, उसमें अब बदलाव आ गया है। पिछले दिनों दशकों से धुर विरोधी सऊदी अरब व ईरान को करीब लाने का जो करिश्मा चीन ने किया, वह मध्यपूर्व में अमेरिका के घटते प्रभाव का ही सूचक है। जाहिर है पर्दे के पीछे कहीं न कहीं रूस की भी भूमिका हो सकती है। तभी अमेरिका की उस सलाह को दरकिनार किया गया, जिसमें तेल उत्पादन को बढ़ाये रखने की बात कही गई है। यानी दुनिया में कुल तेल का चालीस फीसदी उत्पादन करने वाले ओपेक देश अब अमेरिकी दबाव से बाहर आ गये हैं। इन देशों ने भांप लिया है कि दुनिया के बैंकिंग संकट व युद्ध के चलते मंदी की जो आहट महसूस हो रही है उससे खपत कम होने से बाजार में तेल की उपलब्धता बढ़ सकती है। वहीं दूसरी ओर इस कटौती को रणनीतिक हथियार के जरिये अमेरिका पर दबाव बनाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। यह कटौती ऐसे समय पर हुई है जब अमेरिका का आपातकालीन तेल भंडार न्यूनतम स्तर पर है। जिसके लिये उसे भारी मात्रा में तेल खरीदने की जरूरत है। जाहिर है तेल दामों में वृद्धि के कारण उसे महंगा तेल खरीदना पड़ेगा।

रिकॉर्ड निर्यात से अर्थव्यवस्था को संबल

जयंतीलाल भंडारी

गत चार अप्रैल को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि भारत का वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में 447 अरब डॉलर पहुंच गया है, जो एक साल पहले 442 अरब डॉलर था। साथ ही सेवाओं के निर्यात में बहुत ज्यादा बढ़ोतरी हुई है और यह पिछले वित्त वर्ष में 320 अरब डॉलर पार कर गया है, जो एक साल पहले 254 अरब डॉलर था। ऐसे में वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात 767 अरब डॉलर के करीब होगा। मंत्री ने इक्रियर की रिपोर्ट 'एक्सप्रेस डिलिवरी सर्विसेज सपोर्टिंग द जर्नी टुवाड्र्स इंडिया ॠ2047' जारी करते हुए कहा कि बढ़ते हुए निर्यात के कारण देश की विकास दर भी लगातार बढ़ेगी और भारत 2047 तक दुनिया का विकसित देश बनने की संभावनाओं को यथार्थ रूप दे सकेगा। नि:संदेह देश निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था की डगर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस समय भारत के तेजी से बढ़ते निर्यातों का ग्राफ इस बात का प्रतीक है कि भारतीय उत्पादों की मांग दुनियाभर में बढ़ रही है। यदि हम उत्पाद निर्यात के नए आंकड़ों का विश्लेषण करें तो पाते हैं कि प्रमुख रूप से निर्यात अमेरिका, यूएई, चीन, बांग्लादेश व नीदरलैंड को भी बड़े पैमाने पर किए गए हैं। निर्यात उत्पादों के मद्देनजर पेट्रोलियम उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, इंजीनियरिंग उत्पाद, चमड़ा, कॉफी, प्लास्टिक, रेडीमेड परिधान, मांस एवं दुग्ध उत्पाद, समुद्री उत्पाद और तंबाकू की निर्यात वृद्धि में अहम भूमिका रही है। साथ ही उच्च इंजीनियरिंग निर्यातों, परिधान और वस्त्र निर्यात आदि से संकेत मिलते हैं कि यह धारणा धीरे-धीरे बदल रही है कि भारत प्राथमिक जिंसों का ही बड़ा निर्यातक है। अब भारत द्वारा अधिक से अधिक मूल्यवर्धित और उच्च गुणवत्ता वाले सामानों का निर्यात भी किया जा रहा है।यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत विश्व पटल पर कृषि निर्यात के नए उभरते हुए देश के रूप में उपस्थिति दर्ज करते हुए मानवता के आधार पर दुनिया के जरूरतमंद देशों के लिए खाद्यान्न की आपूर्ति भी सुनिश्चित कर रहा है। भारत से खाद्य पदार्थों अनाज, गैर-बासमती चावल, गेहूं, बाजरा, मक्का और अन्य मोटे अनाज के अलावा फलों एवं सब्जियों के निर्यात में भारी वृद्धि देखी गई है। कृषि एवं प्रसंस्करण खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के मुताबिक पिछले वित्तीय वर्ष 2020-21 में खाद्य उत्पादों का निर्यात 25 अरब डॉलर था, यह वर्ष 2022-23 से 30 अरब डॉलर के पार पहुंच जाएगा। कृषि मंत्रालय के मुताबिक सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में ज्यादा मूल्य और मूल्यवर्धित कृषि निर्यात को बढ़ावा दिया गया है। गहराई से कृषि निर्यात परिदृश्य का अध्ययन करने के बाद कृषि निर्यात से सुधार के लिए रणनीतिक कदम उठाए गए हैं। ऐसे में वित्तीय वर्ष 2022-23 में कृषि निर्यात रिकॉर्ड स्तर पर दिखाई दे रहा है। वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन द्वारा प्रकाशित वैश्विक कृषि व्यापार में रुझान रिपोर्ट 2021 के मुताबिक दुनिया में कृषि निर्यात में भारत ने नौवां स्थान हासिल किया है। देश के कुल निर्यात में कृषि की हिस्सेदारी 11 प्रतिशत से अधिक हो गयी। संयुक्त राष्ट्र के कृषि विभाग की रिपोर्ट को देखें तो पाते हैं कि वर्ष 2018-19 में वैश्विक चावल निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 22 फीसदी थी, जो वित्त वर्ष 2021-22 में 40 फीसदी हो गई। इसी तरह वित्त वर्ष 2019-20 में वैश्विक गेहूं निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 0.3 फीसदी थी जो वर्ष 2021-22 में पांच फीसदी तक पहुंच गई। खास बात यह है कि कोविड-19 के कारण भारत के सेवा निर्यात में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। कोविड-19 के बाद दो साल में कुल आईटी सेवाओं के निर्यात में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कोविड-19 ने अधिकांश उद्योगों को डिजिटल निवेश और मल्टी-चैनल व्यवसाय में तेजी लाने के लिए प्रेरित किया और कंपनियों के बैक-एंड प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचे को ज्यादा बेहतर और अनुकूल बनाने के लिए प्रवृत्त किया है। आईटी सेवाओं की कुल सेवा निर्यात में लगभग 70 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। इसमें कंप्यूटर सेवाओं की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। फिर पेशेवर और प्रबंधन परामर्श सेवाएं, तकनीकी और व्यापार से संबंधित सेवाएं और अनुसंधान और विकास क्षेत्रों में भी सेवा निर्यात में प्रभावी वृद्धि हुई है। उल्लेखनीय है कि जिस तेजी से देश में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) की संख्या बढ़ी है, उतनी ही तेजी से आईटी सेवाओं के निर्यात में भी वृद्धि हुई है। ज्ञातव्य है कि भारत के नवाचार दुनिया में सबसे प्रतियोगी, किफायती, टिकाऊ, सुरक्षित और बड़े स्तर पर लागू होने वाले समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं। भारत में इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में शोध और विकास और जबरदस्त स्टार्टअप माहौल के चलते ख्याति प्राप्त वैश्विक फार्मेसी कंपनियां, वैश्विक फायनेंस और कॉमर्स कंपनियां अपने कदम तेजी से बढ़ा रही हैं। अमेरिका, यूरोप और एशियाई देशों की बड़ी-बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भारत में जीसीसी स्थापित किए हैं। यह संख्या वित्त वर्ष 2015-16 में करीब 1000 से अधिक थी, वहीं यह बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 में 1500 से अधिक हो गई है। वास्तव में, भारत में लगभग 40 प्रतिशत वैश्विक जीसीसी हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पिछले वर्ष 2022 में देश से निर्यात बढ़ाने में भारत द्वारा यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की भी प्रभावी भूमिका रही है। यह भी भारत की बढ़ती हुई वैश्विक निर्यात साख की सफलता है कि रिजर्व बैंक आरबीआई ने जुलाई, 2022 में डॉलर पर निर्भरता कम करने और निर्यात बढ़ाने के लिए विदेशी व्यापार का लेन-देन रुपये में करने का प्रस्ताव किया था। गत 15 मार्च तक रूस, मारीशस व श्रीलंका द्वारा भारतीय रुपये में विदेश व्यापार शुरू करने के बाद अब तक 18 देशों के बैंकों ने रुपये में व्यापार करने के लिए विशेष वोस्ट्रो खाते खोले हैं। दुनिया के 35 से अधिक देशों ने रुपये में व्यापार करने में रुचि दिखाई है। इससे भारत को निर्यात के मोर्चे पर बड़ा लाभ मिलेगा। हमें विभिन्न उद्योगों से निर्यात बढ़ाने के वैसे ही प्रयत्न करने होंगे जैसे पिछले तीन-चार वर्षों में खिलौना उद्योग के लिए किए गए हैं। देश में खिलौना उद्योग के रणनीतिक विकास से भारत में पिछले तीन वर्षों में खिलौने के आयात में 70 फीसदी की कमी आई है। साथ ही भारत का खिलौना निर्यात करीब 300 करोड़ रुपए से तेजी से बढ़कर करीब 2600 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। भारत से अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय यूनियन, आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका सहित कई देशों को खिलौने निर्यात किए जा रहे हैं। अब देश को निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए हमें कई बातों पर ध्यान देना होगा। भारत द्वारा अब यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, कनाडा, खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के छह देशों, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और इस्राइल के साथ एफटीए के लिए प्रगतिपूर्ण वार्ताएं तेजी से पूरी करनी होंगी। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा डिजिटल रुपये की जो प्रायोगिक शुरुआत हुई है, उसे अब शीघ्रता से विस्तारित करना होगा। निर्यात बढ़ाने के लिए आत्मनिर्भर भारत अभियान में मैन्युफैक्चरिंग के तहत चिन्हित 24 सेक्टर को प्राथमिकता के साथ तेजी से आगे बढ़ाया जाना होगा। विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) की भूमिका निर्यात बढ़ाने में अहम बनाई जानी होगी। ऐसे रणनीतिक प्रयासों के साथ-साथ हाल ही में एक अप्रैल, 2023 से लागू नई विदेश व्यापार नीति के उपयुक्त कार्यान्वयन से भारत निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था बनने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगा और वर्ष 2030 तक वस्तुओं एवं सेवाओं के निर्यात के लिए निर्धारित किए गए 2 लाख करोड़ डॉलर का लक्ष्य प्राप्त करते हुए दिखाई दे सकेगा।

लेखक अर्थशास्त्री हैं।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

यूनानी चिकित्सा पद्धति आज भी लोकप्रिय है

(लेखक- मुकेश तिवारी)

हिंदुस्तान में यूनानी चिकित्सा पद्धति की शुरुआत 10 वी शताब्दी से मानी जाती है । जिस तरह से हमारे मुलक मे आयुर्वेद पल्लवित हुआ ठीक उसी तर्ज पर अरब में यूनानी चिकित्सा पद्धति का विकास हुआ अनेक विद्वानों का कहना है कि यूनानी चिकित्सा पद्धति भी आयुर्वेद की ही देन है और उसमें भी आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों का भरपूर उपयोग किया जाता है। यह कड़वा सच है कि हिंदुस्तान जैसे ही अंग्रेजों का गुलाम बना तो अंग्रेजों ने सबसे पहले आयुर्वेद को नेस्तनाबूद करने के लिए आयुर्वेद के अति दुर्लभ ग्रंथों को विदेश में भिजवा दिया था। उसी से यूनानी तिबय का उदय हुआ। हालांकि यूनानी चिकित्सा पद्धति को लेकर इतिहासकारों में काफी मतभेद हैं। हकीम अब्दुल लतीफ़ फल्की और हकीम गुलाम जिलानी यूनानी चिकित्सा पद्धति कि जन्म स्थली हिंदुस्तान को ही मानते है । हकीकत जो भी हो लेकिन इसमें कोई मतभेद नहीं है कि यूनान में इस पद्धति की तरक्की हुई और दर्जनों पुस्तकें लिखी गई हकीम वह रात में यूनानी चिकित्सा पद्धति पर तमाम सारी पुस्तकें लिखी और उनके शिष्यों ने भी इस कार्य को गति दी कई अन्य अध्ययनों से भी यह बात सामने आई है कि हकीम जालीनूस के समय में यूनानी चिकित्सा पद्धति की जड़े मजबूत हुई। इस दौरान तमाम सारे अनुसंधान भी हुए जिससे यूनानी चिकित्सा पद्धति की जड़ें और मजबूत हुई तथा अनेक अनुसंधान भी हुए। चीन मिस्र का बुलावा आदि देशों में काफीकाफी फली फूली इसके बाद यह पद्धति की इस्लामिक देशों और अरब में आई यह जकारिया राजी शेख अबू अली बिन सीना की वजह से खूब फली फूली शेख साहब जैसी शख्सियत की लिखी पुस्तकें इतनी प्रसिद्ध हुई कि इन्हें 18वीं सदी में यूरोप की शैक्षणिक संस्थाओं तक में पढ़ाए जाने लगा। इसके पश्चात यह पद्धति ईरान से होती हुई हिंदुस्तान में वापस लौटी और पुन: यहीं की होकर रह गई। मुगलों के कार्यकाल में इस पद्धति का डंका पूरे हिंदुस्तान में बजने लगा । हजारों पुस्तकें अरबी और पश्तो भाषा में लिखी गई हिंदुस्तान में जब ब्रिटिश हुकूमत ने राज किया। इस पद्धति को भी नेस्तनाबूद करने के प्रयास किए गए लेकिन चूंकि इन पद्धतिओ की जड़ें गहरी थी यह आम जनता के मध्य लोकप्रिय थी इसलिए यह पूरी तरह नेस्तनाबूद नहीं हो सकी इसलिए दिल्ली में शरीफी खानदान तथा लखनऊ में अजीजी खानदानों ने इसके विकास के लिए संस्थानों की नींव डाली। बुक रात और जालीनूस का कहना था कि जो आदमी जिस मुल्क का रहने वाला है उसको उस देश की ही जड़ी बूटियों से फायदा पहुंच सकता है। आयुर्वेद में भी इसी तरह की बात कही गई है। यूनानी

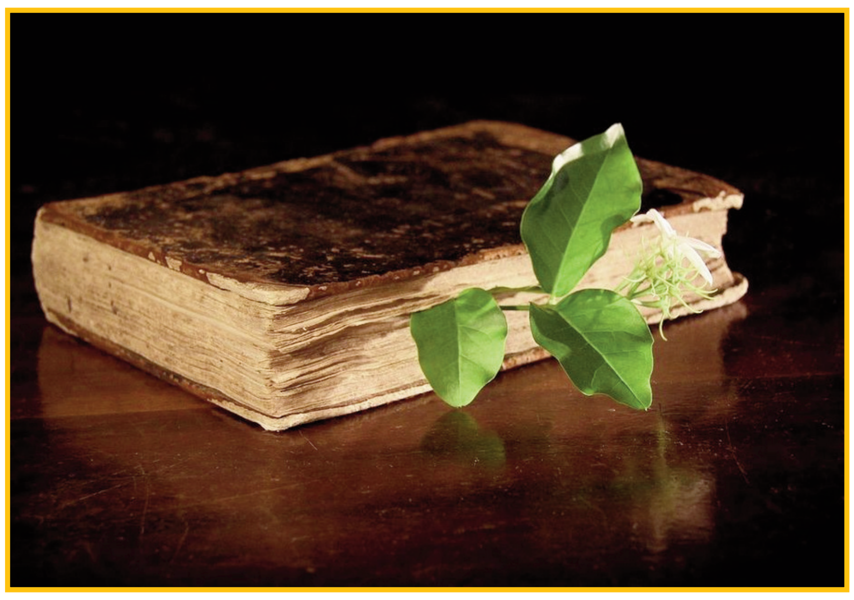

चिकित्सा पद्धति की बुनियाद अनासिर अखलात और मिजाज पर निर्भर है। चार अनासिर यानि आग पानी हवा और मिट्टी जिससे दुनिया की हर चीज बनी है। इसी तरह चार अखलात यानि खून सफारा बलगम (श्लेष्मा) और सौदा। इसके खास अनुपात में मनुष्य के बदन में मौजूद रहने पर ही उसका श्वास उसका स्वास्थ कायम रहता है और जब इस में अंतर आता है तो मनुष्य बीमार पड़ जाता है। इसी प्रकार प्रत्येक आदमी का खास मिजाज होता है। जब वह मिजाज किसी कारण से बदल जाता है तो बीमारी उत्पन्न होती है इस प्रकार जब आदमी के अंदर विकार आया अनुपात या मिजाज में बिगाड़ पैदा होता है । तो आदमी बीमार पड़ता है तो आदमी ने जिस चीज की कमी या बढ़ोत्तरी देखी जाती है तो उसी को चिकित्सा की बुनियाद बनाया जाता है। इसी प्रकार जड़ी बूटियों में भी मिजाज माना जाता है। यानी कुछ औषधियां गर्म तासीर वाली होती है तो कुछ ठंडी तासीर वाले ये दोनों ही या तो तर होती है या खुश्क अगर किसी आदमी में गर्मी बढ़ गई है तो उसे ऐसी दवा देंगे जो गर्मी कम करने वाली होगी या किसी में अगर पित्त बढ़ गया है तो उसे ऐसी दवा देंगे जो उसे तत्काल कम करें इन्हीं आधारों पर यूनानी पद्धति में उपचार किया जाता है। यूनानी पद्धति प्रारंभ से ही आम जनता में काफी लोकप्रिय रही है लेकिन चूंकि यूनानी भाषा में से यह पद्धति अरबी और पश्तो में हस्तांतरित हुई बल्कि यह कहा जाए कि इन भाषाओं में तो और भी वृद्धि हुई लेकिन चूंकि उर्दू में इसका साहित्य उपलब्ध नहीं है उपलब्ध ना नहीं है ना ही हिंदी में इसलिए इस पद्धति के विकास के लिए अरबी और पश्तो से इन भाषाओं के अनुवाद की निहायत आवश्यकता है। इसके साथ ही के तिबतिया कॉलेजों में भी प्राध्यापकों की काफी कमी है कुछ कॉलेजों में तो सिर्फ दो-तीन प्राध्यापक ही पूरा कॉलेज चलाते हैं अत: इस दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है। इसलिए आवश्यक है कि हकीम अपनी पद्धति के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध हो उपलब्ध साहित्य का उर्दू एवं हिंदी में अनुवाद होना चाहिए। शैक्षणिक संस्थाओं की स्थिति को सुधारना चाहिए। इस पद्धति को अधिकाधिक प्रायोगिक बनाना चाहिए। देसी जड़ी बूटियों की अपने ही मुल्क में पैदावार बढ़ाई जाए तथा नए अनुसंधान केंद्र खोले जाएं । जिससे इन पद्धतियों की अपनी विष्ट्म औषधियां आम जनता को जनता के हित में सामने आ सके।

विचार मंथन

मीडिया पर सरकारी पहरे से सरकार की विश्वसनीयता पर असर

(लेखक - सनत जैन)

पिछले कुछ वर्षों में मीडिया में सरकार की वाहवाही और सरकार जिस तरह की जानकारी आम जनता तक पहुंचाना चाहती हैं। वहीं मीडिया में आ रही है। पिछले 9 वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रिंट मीडिया मैं जिस तरह से जनता के सरोकार से जुड़े हुए समाचार प्रकाशित और दिखना बंद हो गए हैं। उससे आम जनता के बीच में मीडिया के प्रति अविश्वास बढ़ गया है। मीडिया से विपक्ष लगभग गायब हो गया है। जिसके कारण आम जनता एक ही पक्ष को सुनते और देखते हुए मीडिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने लगी है। पिछले दो-तीन सालों से आम जनता के बीच में गोदी मीडिया की बड़ी चर्चा होती है। गोदी मीडिया अर्थात जो सरकार की गोद में बैठा है। टीवी के एक एंकर ने गोदी मीडिया के नाम से संबोधित किया, उसके बाद से यह आम जनता के बीच में बड़ी तेजी के साथ बोला जाने लगा। प्रिंट मीडिया में भी अब विपक्ष लगभग लगभग गायब हो गया है, जिसके कारण आम जनमानस की रु चि चैनल देखने या अखबार पढ़ने के स्थान पर सोशल मीडिया के जरिए प्राप्त हो रही है। टीवी चैनलों में जिस तरह से पैनल में बहस चल रही होती है, उसे मुर्गों की लड़ाई की संज्ञा दी जाने लगी है। जहां एंकर मुर्गों को बढ़ाता है और देखने वाले उसका मजा लेते हैं। पिछले दो-तीन वर्षों में जो न्यूज़ एंकर नौकरी से निकाले गए थे, जिन संपादकों की नौकरियां चली गई थी, जो रिपोर्टर अखबारों और टीवी चैनलों से निकाल दिए गए थे, वह यूट्यूब के माध्यम से चैनल बनाकर बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ रहे हैं। देश एवं दुनिया में सोशल मीडिया पर देखने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। सोशल मीडिया से जो खबरें लोगों को मिल रही है, वह खबरें अखबारों और टीवी चैनलों में उपलब्ध नहीं होती है। आम जनता में सोशल मीडिया के चुनिंदा प्लेटफार्म पर भरोसा बढ़ रहा है। सोशल मीडिया एक ऐसा प्लेटफार्म है, जहां पर कोई रोक-टोक नहीं है। पिछले एक-दो वर्षों में सोशल मीडिया में बड़े-बड़े पत्रकार जुड़े। इन्होंने अपने चैनल शुरू किए, स्वतंत्रता के साथ अपनी बात और समाचार दे रहे थे। जिसके कारण सरकार को समय-समय पर परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा है। सोशल मीडिया से सरकार की चिंताएं लगातार बढ़ती ही जा रही थी। सरकार के लिये सर्वोच्च प्राथमिकता में सोशल मी डिया पर नकेल कसने का आ गया था। लोकसभा और राज्यसभा का बजट सत्र जैसे ही खत्म हुआ। सरकार ने सोशल मीडिया को नियंत्रित करने फैक्ट चेक के आधार पर जिस कंटेंट को सरकार हटाना चाहती है। उसको तुरंत हटाने की शक्तियां अब सरकार के पास आ गई है। इसके साथ ही सरकार की बात नहीं मानने पर उन चैनलों को इंटरनेट और सोशल मीडिया के प्लेटफार्म से हटाने के अधिकार भी सरकार ने अपने पास ले लिए हैं। पिछले कुछ माह से केंद्र सरकार की पीआईबी और राज्य सरकारों के जनसंपर्क विभाग के अधिकारी सोशल मीडिया और अखबारों पर निगाह रख रहे थे। खबरों का फैक्ट चेक कर रहे थे। जो खबरें सरकार के अनुकूल नहीं होती थी, उन्हें फैक्ट चेक में नकार दिया जाता था। सोशल मीडिया पर यह अधिकार आसानी से सरकार के पास उपलब्ध नहीं था। गूगल, फेसबुक, यूट्यूब, ट्यूटर ऐसे प्लेटफार्म अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम कर रहे थे। सरकार को किसी कंटेंट को हटाने के लिए इनके पास निर्देश भेजने होते थे। वह पॉलिसी के अनुसार कंटेंट को हटाते भी थे और नहीं भी हटाते थे। सरकार ने जो नया संशोधन किया है। उसके बाद अब इन अंतरराष्ट्रीय सोशल मीडिया के प्लेटफार्म को भी तुरंत कंटेंट हटाने की जिम्मेदारी होगी। इंटरनेट पर और सोशल मीडिया पर जो भी कंटेंट सरकार रोकना चाहेगी। अब उसका कानूनी अधिकार सरकार के पास आ गया है। इससे एक तरह से सोशल मीडिया पर सरकार की सेंसरशिप लागू हो गई है। इसके आगे चलकर परिणाम क्या होंगे, सरकार यह सोच नहीं रही है। मीडिया तभी तक मीडिया है, जब उसमें सभी पक्षों का समावेश हो।जब मी डिया में एक ही तरह के समाचार और एक ही विचारधारा होगी। ऐसे में पाठक अथवा दर्शक का विश्वास इस तरह के मीडिया पर नहीं होता है। 1975 में जब आपातकाल लागू हुआ था उस समय भी लोग आकाशवाणी और दूरदर्शन पर विश्वास नहीं करते थे। आदरणीय प्रधानमंत्री जी भी बोल चुके हैं कि वह बीबीसी पर विश्वास करते थे। उस समय प्रिंट मीडिया सरकारी नियंत्रण से बाहर था। जिसके कारण प्रिंट मीडिया में सेंसरशिप लगाई गई थी। उस समय सरकार के खिलाफ समाचार यदि कोई समाचार पत्र लिखना चाहता था, तो सरकार के अधिकारी उस समाचार को हटवा देते थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएफसी ने निवेशकों को प्रत्येक शेयर पर 10 रुपए का लाभांश दिया

मुंबई । भारत सरकार के स्वामित्व वाली पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) शेयर बाजार में सूचीबद्ध एक ऐसी कंपनी है, जिसने वित्तीय वर्ष 2022-23 में अपने निवेशकों को प्रत्येक शेयर पर लगभग 10 रुपए का लाभांश जारी किया है। बता दें कि हर साल कंपनियां अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा मुनाफे के तौर पर अपने निवेशकों को जारी करती हैं। बाजार में शेयरों की कीमत में वृद्धि के अलावा लाभांश भी निवेशकों के लिए आय का एक स्रोत है। बाजार में कुछ कंपनियां ऐसी भी हैं जो अपने निवेशकों को बैंक एफडी और पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ) पर मिलने वाले ब्याज से ज्यादा रिटर्न डिविडेंड के रूप में जारी करती हैं। पीएफसी के एक शेयर की कीमत वित्त वर्ष 2022-23 की शुरुआत में करीब 120 रुपए थी। वहीं कंपनी ने अपने निवेशकों को प्रत्येक शेयर पर करीब 10 रुपए का लाभांश दिया है। इस हिसाब से कंपनी ने अपने निवेशकों को हर शेयर पर करीब 8.3 फीसदी का रिटर्न सिर्फ डिविडेंड के रूप में दिया है। गौरतलब है` कि इस वित्त वर्ष में पीपीएफ की ब्याज दर 7.10 फीसदी थी, जबकि विभिन्न बैंकों की एफडी पर ब्याज दर 5.50 से 7 फीसदी के बीच थी। पिछले एक साल में पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन कंपनी के शेयर की कीमत में भी करीब 30 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। अगर कंपनी के शेयरों पर मिले रिटर्न को डिविडेंड से जोड़ दें तो इस कंपनी ने एक साल में अपने निवेशकों को करीब 38 फीसदी का रिटर्न दिया है।

अनक्लेम्ड अमाउंट के मामले में एलआईसी भी पीछे नहीं

नई दिल्ली । देश के 12 सरकारी बैंकों में लावारिस पड़े 35,000 करोड़ रुपए के असली हकदार की पहचान के लिए आरबीआई ने नया सेंट्रलाइज्ड पोर्टल बनाने का ऐलान किया है। वहीं अनक्लेम्ड अमाउंट के मामले में सरकारी बीमा कंपनी एलआईसी भी पीछे नहीं है। खुद भारतीय जीवन बीमा निगम ने बताया था कि उसके पास करीब 21,500 करोड़ की रकम ऐसी है जिसका कोई दावेदार नहीं है। एलआईसी जब अपना आईपीओ लेकर आई थी तब उसने यह जानकारी दी थी। एलआईसी के पास सितंबर 2021 तक 21,539 करोड़ रुपए का अनक्लेम फंड मौजूद था। ऐसी कोई रकम जो 10 साल की अवधि के बाद भी बीमा कंपनी के पास बेकार पड़ी रहता है, उसे अनक्लेम अमाउंट कहा जाता है। भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण के नियमानुसार बीमा कंपनियों को 1,000 रुपए या उससे ज्यादा के अनक्लेम अमाउंट के बारे में जानकारी अपडेट रखनी होती है। दरअसल कई लोग बैंक समेत एलआईसी की विभिन्न स्कीम में निवेश करते हैं लेकिन किन्हीं कारणों से बीच में बंद कर देते हैं या फिर मैच्योरिटी पर पैसा निकालना भूल जाते हैं तो वह अनक्लेम्ड अमाउंट कहलाता है और कंपनी के पास सुरक्षित रहता है। एलआईसी ने पॉलिसी धारकों के अनक्लेम अमाउंट के बारे में जानकारी देने के लिए अपने पोर्टल पर खास टूल दिया है। यहां पॉलिसी नंबर समेत जरूरी जानकारी देकर आप अनक्लेम अमाउंट के बारे में पता लगा सकते हैं।

एचबिट्स ने मुंबई में 42 करोड़ की संपत्ति की पेशकश की

मुंबई । रियल एस्टेट परिसंपत्ति पर आंशिक स्वामित्व देने वाली कंपनी एचबिट्स ने किराए से आमदनी के लिए निवेशकों को 42 करोड़ रुपए मूल्य की एक वाणिज्यिक संपत्ति की पेशकश की है। एचबिट्स ने एक बयान में कहा कि उसने मुंबई के पोवई में स्थित बूमरेंग बिल्डिंग में 27,492 वर्गफुट को किराए पर देने के लिए चिह्नित किया है। इस इमारत का प्रमुख किराएदार अमेरिका की बहुराष्ट्रीय कंपनी सिटेल है। इस संपत्ति के आंशिक स्वामित्व के लिए 25 लाख रुपए से निवेश शुरू किया जा सकता है। एचबिट्स के पास पहले से ही 150 करोड़ रुपए की परिसंपत्ति प्रबंधन के अधीन है। एचबिट्स के संस्थापक शिव पारेख ने कहा` कि आंशिक स्वामित्व देने वाले बाजार में निवेशकों की ओर से मांग में भारी उछाल देखा जा रहा है।

ज्यादा माइलेज वाली दो ऐसी 7 सीटर कारें बाजार में मौजूद

-अर्टिगा देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली 7 सीटर कारों में से एक

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

आपकी माइलेज की ख्वाहिश पूरी करने के लिए दो ऐसी 7 सीटर कारें भी मौजूद हैं जो सीएनजी किट के साथ कंपनियां ऑफर कर रही हैं। देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों में से एक मारुति सुजुकी अर्टिगा के साथ ही कंपनी की ही एक्सएल6 को सीएनजी किट के साथ ऑफर किया जा रहा है।

दोनों ही कारों का माइलेज भी जबर्दस्त है और इनकी कीमत भी दूसरी 7 सीटर कारों के मुकाबले काफी कम हैं। आइये जानते हैं इन कारों के खास फीचर्स और स्पेसिफिकेशंसज लंबे समय से एमयूवी मार्केट में धूम मचाए अर्टिगा देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली 7 सीटर कारों में से एक है। कंपनी इसे सीएनजी किट के साथ भी देती है। अर्टिगा में 1.15 लीटर का डुअलजेट पेट्रोल इंजन आता है जो 80 बीएचपी की पावर जनरेट करता है। कंपनी के क्लेम के अनुसार अर्टिगा एक किलो सीएनजी में 26.11 किलोमीटर का माइलेज देती है. अर्टिगा सीएनजी की एक्स शोरूम कीमत 10.44 लाख रुपये से शुरू होती है. वहीं इसके टॉप मॉडल जेडएक्सआई की कीमत 11.54 लाख रुपये है। मारुति की ही प्रीमियम कैटेगरी में काउंट होने वाली एमपीवी एक्सएल6 और अर्टिगा में वैसे तो ज्यादा अंतर नहीं है लेकिन ये फीचर्स के मामले में अर्टिगा को कहीं पीछे छोड़ती है।

प्रीमियम कैटेगरी में होने के चलते एक्सएल 6 में कंपनी ने मिडिल रो में कैप्टन सीट्स दी हैं जिसके चलते ये 6 सीटर हो जाती है। हाल ही में कंपनी ने इस कार को भी सीएनजी किट के साथ इंट्रोड्यूस किया है। कार में अर्टिगा वाला ही इंजन है जो 5 स्पीड मैनुअल गियर बॉक्स से कनेक्टेड है। वहीं इसका माइलेज भी अर्टिगा के ही बराबर है। इसकी कीमत की बात की जाए तो ये 12.24 लाख रुपये एक्स शोरूम कीमत पर अवेलेबल है.अर्टिगा के मुकाबले एक्सएल 6 के लुक्स में भी कुछ बदलाव देखने को मिलते हैं। एलईडी हैडलैंप्स के साथ ही डीआरएल और ब्रॉड नोस व बोल्ड बंपर्स से कार का लुक काफी कुछ बदल जाता है।

महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र योजना पर मिलेगा 7.5 फीसदी ब्याज

नई दिल्ली । पोस्ट ऑफिस का महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र योजना केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट 2023 पेश करते हुए महिलाओं को ध्यान में रखकर शुरू करने का ऐलान किया था। गौरतलब है कि पोस्ट ऑफिस की ज्यादातर योजनाओं में जमाकर्ताओं को इनकम टैक्स एक्ट की धारा 80सी के तहत टैक्स में कटौती का फायदा मिलता है। बता दें कि महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र योजना में दो साल के लिए फ्लेक्सिबल इनवेस्टमेंट और 2 लाख रुपए की अधिकतम निवेश सीमा के साथ आशिंक निकासी और हर तीन महीने पर चक्रवृद्धि आधार पर ब्याज का लाभ मिलता है। वहीं यह योजना 31 मार्च 2025 यानी केवल दो साल के लिए वैलिड है। पोस्ट ऑफिस की इस योजना में 7.5 फीसदी के हिसाब से ब्याज दर मिलता है। महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र योजना के लिए आप किसी भी पोस्ट ऑफिस में जाकर आवेदन कर सकते हैं। वित्त मंत्रालय ने इस योजना के लिए एक अधिसूचना भी जारी की है। आप किसी भी नजदीकी डाकघर में जाकर इस योजना के लिए अकाउंट खुलवा सकते हैं। यह योजना देश भर के 1.59 लाख डाकघरों में उपबल्ध है। वित्त मंत्रालय के 5 अप्रैल, 2023 को जारी एक अधिसूचना के मुताबिक इस योजना के तहत निवेश आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत छूट के लिए योग्य नहीं है। इसका मतलब यह हुआ कि आपको इस पर हासिल किए गए ब्याज के लिए टैक्स चुकाना होगा। अगर आपने केवल इस योजना में ही निवेश किया है तो इस बात की कोई भी संभावना नहीं है कि आपका टीडीएस काटा जाएगा।

पिछले वित्त वर्ष के11 महीनों में म्युचुअल फंडों ने बाजार में लिवाली की

नई दिल्ली।(एजेंसी)

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार पिछले वित्त वर्ष के 12 में से 11 महीनों में म्युचुअल फंडों ने शेयर बाजार में शुद्ध लिवाली की। पिछले वित्त वर्ष में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 35,000 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। वित्त वर्ष 2022 में एफआईआई शुद्ध बिकवाल रहे थे और उन्होंने बाजार से 1.4 लाख करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के शेयर बेचे थे। एक स्वतंत्र बाजार विश्लेषक ने कहा कि जब एफआईआई तेजी से निवेश निकाल रहे थे तब म्युचुअल फंडों द्वारा किए गए निवेश की बदौलत बाजार वित्त वर्ष 2022-23 में मजबूती से डटा रहा। म्युचुअल फंडों में ज्यादातर रकम खुदरा निवेशकों से आती है। इसलिए तत्काल रकम निकलने की आशंका कम रहती है, जिससे बाजार को स्थिरता एवं मजबूती मिलती है। कुल मिलाकर देसी संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने वित्त वर्ष 2023 में 2.56 लाख करोड़ रुपए मूल्य के शेयर खरीदे। डीआईआई में म्युचुअल फंड भी आते हैं।

(मार्केट कैप) सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 82,169 करोड़ बढ़ा

- प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

मुंबई ।(एजेंसी)

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 82,169.3 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी को हुआ। बीते सप्ताह मंगलवार चार अप्रैल को महावीर जयंती तथा शुक्रवार सात अप्रैल को गुड फ्राइडे के मौके पर बाजार में अवकाश था। सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी और आईटीसी सहित आठ के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 31,553.45 करोड़ रुपए बढ़कर 9,29,752.54 करोड़ रुपए, एचडीएफसी के बाजार मूल्यांकन 18,877.55 करोड़ रुपए बढ़कर 5,00,878.67 करोड़ रुपए, भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 9,533.48 करोड़ रुपए बढ़कर 4,27,111.07 करोड़ रुपए, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 6,731.76 करोड़ रुपए बढ़कर 15,83,824.42 करोड़ रुपए, टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 5,817.89 करोड़ रुपए के उछाल से 11,78,836.58 करोड़ रुपए, आईटीसी का बाजार मूल्यांकन 4,722.65 करोड़ रुपए बढ़कर 4,81,274.99 करोड़ रुपए, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का 3,792.96 करोड़ रुपए के लाभ से 4,71,174.89 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 1,139.56 करोड़ रुपए बढ़कर 6,02,341.22 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इस रुख के विपरीत इन्फोसिस की बाजार हैसियत 2,323.2 करोड़ रुपए घटकर 5,89,966.72 करोड़ रुपए और आईसीआईसीआई बैंक का पूंजीकरण 1,780.62 करोड़ रुपए के नुकसान से 6,10,751.98 करोड़ रुपए पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, एचडीएफसी, आईटीसी, एसबीआई का भारती एयरटेल का स्थान रहा।

सरकार ने 23.2 लाख करोड़ का मुद्रा लोन बांटा

- मुद्रा योजना के तहत आठ वर्ष में 40 करोड़ लाभार्थियों को 23.2 लाख करोड़ का दिया गया ऋण

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

सूक्ष्म, लघु व मध्यम स्तर के उद्योगों (एमएसएमई) को ऋण मुहैया कराने वाली मुद्रा योजना के तहत आठ वर्ष में 40 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों को 23.2 लाख करोड़ रुपए का ऋण दिया गया है। इसके लाभार्थियों में 51 आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्ग के लोग हैं। 68 फीसदी ऋण खाते महिलाओं के नाम खुले हैं। एमएसएमई के जरिये अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और जमीनी स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा करने के मकसद से शुरू की गई इस ऋण योजना से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से 1.12 करोड़ लोगों को रोजगार मिला है। योजना के कुल लाभार्थियों में से आठ करोड़ (21 फीसदी) पहली पीढ़ी के उद्यमी हैं। ये वे लोग हैं, जिनकी कारोबारी या व्यावसायिक पृष्ठभूमि नहीं रही है। इस योजना में शिशु ऋणों के त्वरित पुनर्भुगतान पर ब्याज में दो फीसदी की छूट भी मिलती है।योजना के तहत व्यवसाय की परिपक्वता स्थिति के आधार पर शिशु, किशोर व तरुण श्रेणियों में ऋण दिया जाता है।

शिशु श्रेणी में 50,000 रुपए, किशोर श्रेणी में 5 लाख रुपए तक और तरुण श्रेणी में 10 लाख रुपए तक के ऋण दिए जाते हैं। कृषि से संबद्ध गतिविधियों जैसे पोल्ट्री, डेयरी, मधुमक्खी पालन। इसके अलावा विनिर्माण, व्यापार और सेवा क्षेत्रों की गतिविधियों के लिए इस योजना के तहत ऋण दिया जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योजना को भारतीयों के लिए अपना उद्यमिता कौशल दिखाने का जरिया बाताते हुए कहा कि मुद्रा योजना ने अनफंडेड की फंडिंग कर अनगिनत भारतीयों के लिए सम्मान के साथ-साथ समृद्धि का जीवन सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई है। आज मुद्रा योजना के आठ वर्ष पूरे होने पर उन सभी लोगों की उद्यमशीलता और उत्साह को सलाम है, जो इससे लाभान्वित हुए और धन सृजक बने।

पैन-आधार लिंक न होने पर होंगे वित्तीय नुकसान

मुंबई । सरकार ने पैन और आधार को लिंक करवाने की तारीख बढ़ाकर 30 जून, 2023 कर दी है। ऐसे में आप अगर इस समयसीमा पर भी इन दस्तावेजों को लिंक नहीं करवाते है तो आपको कई तरह के नुकसान भोगने पड़ेंगे। पहला तो आपका पैन कार्ड निष्क्रिय हो जाएगा। साथ ही आपके कई वित्तीय कार्यों पर ब्रेक लग जाएगा। पैन कार्ड जिस दिन तक इनएक्टिव रहेगा उतने दिन का आईटीआर का ब्याज का लाभ नहीं मिलेगा। पैन कार्ड लिंक नहीं होगा तो आप 50,000 रुपए से अधिक का लेनदेन नहीं कर पाएंगे। आपको कोई बैंक क्रेडिट और डेबिट कार्ड जारी नहीं करेगा।

(शेयर बाजार समीक्षा) वृहद आंकड़ों, कंपनी परिणाम और वैश्विक रुख तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

- रुपए का उतार-चढ़ाव और कच्चे तेल के दाम भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण होंगे

मुंबई ।(एजेंसी)

औद्योगिक उत्पादन और मुद्रास्फीति के आंकड़े, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के तिमाही पे रिणाम और वैश्विक रुख इस कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा विदेशी कोषों की गतिविधियां, रुपए का उतार-चढ़ाव और कच्चे तेल के दाम भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण होंगे। शुक्रवार को डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर जयंती के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहेंगे। इस सप्ताह आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस के तिमाही नतीजे आने हैं। दुनियाभर में मंदी को लेकर चिंता के बीच बाजार की निगाह प्रबंधन की टिप्पणियों पर रहेगी। अमेरिकी के मुद्रास्फीति और गैर-कृषि रोजगार के आंकड़े भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण होंगे। एक बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख के अलावा कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, डॉलर सूचकांक और अमेरिकी में बॉन्ड प्रतिफल से बाजार की दिशा तय होगी। टीसीएस का तिमाही नतीजा बुधवार को और इन्फोसिस का बृहस्पतिवार को आएगा।

बाजार के जानकारों ने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर स्थिरता की वजह से दबाव कुछ कम हुआ। अब सभी की नजरे तिमाही पे रिणामों पर होगी। वृहद आर्थिक मोर्चे पर फरवरी का औद्योगिक उत्पादन और मार्च का मुद्रास्फीति का आंकड़ा बुधवार को आएगा। मार्च का थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति का आंकड़ा शुक्रवार को जारी होगा। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे की घोषणा इस सप्ताह की जानी है, जिसका वैश्विक बाजार पर असर देखने को मिल सकता है। इसके अलावा एफपीआई का निवेश सकारात्मक है।

एफपीआई पिछले छह कारोबारी सत्रों में 4,738 करोड़ रुपए का निवेश कर चुके हैं। डॉलर सूचकांक में गिरावट और बॉन्ड प्रतिफल घटने की वजह से एफपीआई के रुख में यह बदलाव आया है। इसके अलावा हाल के दिनों में रुपया भी मजबूत हुआ है।

ओला ने एस1 प्रो इलेक्ट्रिक स्कूटर की कीमत में की कटौती

-16 अप्रैल चल चलेगा ऑफर

नईदिल्ली ।(एजेंसी)

ओला इलेक्ट्रिक कंपनी ने ग्राहकों को खुशखबरी देते हुए अपने फ्लैगशिप एस1 प्रो इलेक्ट्रिक स्कूटर की कीमत में 5,000 रुपये की कटौती की घोषणा की है। अब स्कूटर की कीमत 1.25 लाख रुपये हो गई है. हालांकि, कंपनी ने इस कटौती के पीछे कोई विशेष कारण नहीं बताया है। इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने वाले ग्राहक केवल 16 अप्रैल तक 5,000 रुपये की छूट का फायदा उठा सकते हैं, जिसके बाद मॉडल 1.30 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, सब्सिडी के बाद) के अपनी पुरानी कीमत पर वापस आ जाएगा। यह ऑफर निश्चित रूप से ज्यादा खरीदारों को ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने के लिए अट्रैक्ट करेगा। कंपनी ने इस साल मार्च में 2 लाख से ज्यादा इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे हैं। कंपनी का कहना है कि भारत में इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में उसकी बाजार हिस्सेदारी 30 फीसदी से ज्यादा है।

ओला एस 1 प्रो इलेक्ट्रिक स्कूटर में 4 केडब्ल्यूएच की लीथियम आयन बैटरी मिलती है। स्कूटर को एक बार फुल चार्ज करने पर करीब 181 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है। स्कूटर में 8.5 केडब्ल्यू की मोटर लगी हुई है, जो 11.3 बीएचपी की मैक्सिमम पावर जनरेट कर सकती है। इलेक्ट्रिक स्कूटर 116 किलोमीटर प्रति घंटा की टॉप स्पीड से चल सकता है। स्कूटर महज 2.9 सेकंड में 0 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा और 4.5 सेकंड में 0 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार तक पहुंच सकता है। ओला एस 1 प्रो के पुराने ग्राहक स्कूटर के फ्रंट सस्पेंसन को भी बिलकुल फ्री में बदलवा सकते हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमत कुछ राज्यों में बदली

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रे विवार को कोई बदलाव नहीं है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 80.70 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 85.12 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। गुजरात में पेट्रोल 20 पैसे, हरियाणा में 28, मध्य प्रदेश में 11, उत्तर प्रदेश में 14 और पश्चिम बंगाल में 12 पैसे महंगा हुआ है। इन राज्यों में डीजल क्रमशः 21 पैसे, 28 पैसे, 9 पैसे, 14 पैसे और 11 पैसे महंगा हुआ है। दूसरी ओर राजस्थान में पेट्रोल 1.03 रुपए और डीजल 93 पैसे सस्ता हो गया है। इसके अलावा गोवा, केरल, असम, पंजाब व ओडिशा में पेट्रोल और डीजल के दाम में गिरावट आई है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर` बिक रहा है। नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपए और डीजल 89.66 रुपए प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 107.42 रुपए और डीजल 94.21 रुपए प्रति लीटर और पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

ईएमआई पर मिलने लगे हापुस आम, 5000 की खरीदी जरूरी

- अल्फांसो आम खुदरा बाजार में 800 रुपए से 1,300 रुपए प्रति दर्जन

मुंबई ।(एजेंसी)

महाराष्ट्र के देवगढ़ एवं रत्नागिरि के अल्फांसो को हापुस आम के नाम से भी जाना जाता है। अपने बेहतरीन स्वाद एवं कम उत्पादन की वजह से इसके दाम अक्सर आम लोगों की पहुंच से बाहर ही रहते हैं। इस साल भी अल्फांसो आम खुदरा बाजार में 800 रुपए से 1,300 रुपए प्रति दर्जन के भाव पर बिक रहा है। ऐसी स्थिति में आम लोगों तक इस खास आम का स्वाद पहुंचाने के लिए एक कारोबारी ने अनूठी पेशकश की हैं। वह अल्फांसो को अब किसी महंगे इलेक्ट्रॉनिक सामान की तरह आसान मासिक किस्त यानी ईएमआई पर भी बेचने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि बिक्री शुरू होते ही अल्फांसो के दाम बहुत ऊपर जा चुके हैं। ऐसी स्थिति में अगर अल्फांसो को भी ईएमआई पर दिया जाए तो हर कोई इसका स्वाद ले सकता है। उनका कहना है कि पूरे देश में ईएमआई पर आम बेचने वाला पहला प्रतिष्ठान उनका है। हमने सोचा कि अगर फ्रिज, एसी और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को ईएमआई पर खरीदा जा सकता है तो फिर आम को क्यों नहीं? इस तरह हर कोई इस आम को खरीद सकता है। कोई भी व्यक्ति ईएमआई पर मोबाइल फोन खरीदने की ही तरह उनकी दुकान से अल्फांसो को किस्त पर खरीद सकता है। इसके लिए ग्राहक के पास क्रेडिट कार्ड होना चाहिए और फिर खरीद मूल्य को तीन, छह या 12 महीनों की किस्तों में बदल दिया जाता है। हालांकि अल्फांसो को ईएमआई पर खरीदने के लिए कम से कम 5,000 रुपए की खरीदारी करनी जरूरी है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

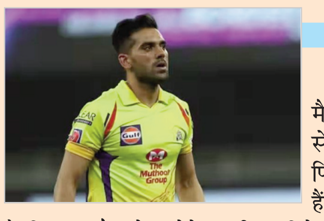

आईपीएल में चार-पांच मैचों से बाहर हो सकते हैं चाहर : रैना

मुम्बई । मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच में चोटिल होने के कारण हुए ऑलराउंडर दीपक चाहर केवल एक ही ओवर कर पाये थे। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। इसी को लेकर अब सीएसके के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना का बयान आया है। रैना के अनुसार चाहर इस सत्र में कम से कम चार से पांच मैचों से बाहर हो सकते हैं। रैना ने कहा, ऐसा लगता है कि चाहर 4 से 5 गेम के लिए बाहर हो जाएंगे। ऐसा लगता है कि उन्हें फिर से हैमस्ट्रिंग की चोट लग गई है और वे मैदान में असहज दिखे। रैना ने कमेंट्री के दौरान कहा, आईपीएल के अन्य सभी स्थल चेन्नई से बहुत दूर हैं और इसमें बहुत सारी यात्राएं शामिल रहेंगी। वहीं 27 साल के तुषार देशपांडे के लिए आईपीएल में अब तक का सत्र मिलाजुला रहा है। गुजरात के खिलाफ मैच में उन्होंने काफी रन दिये। धोनी ने कहा था, हम उस पर विश्वास करते हैं और जब आप नए होते हैं तो आप दबाव में होते हैं लेकिन कुछ साल के लिए आईपीएल में खेलना अलग तरह का दबाव लाता है। उनका घरेलू सीजन अच्छा रहा, उन्होंने सुधार किया है वर वह अभी भी अपनी पूरी क्षमता है से नहीं खेल पा रहे हैं।

रैना ने रहाणे की तूफानी पारी पर कहा..

यह पीली जर्सी की ताकत है

मुम्बई, (एजेंसी)

अजिंक्य रहाणे (61 रन) और रवींद्र जडेजा (3/20) के शानदार प्रयासों से चेन्नई सुपर किंग्स ने मुम्बई इंडियंस को आईपीएल मुकाबले में शनिवार रात सात विकेट से हरा दिया। जीत के लिए 158 रनों का पीछा करते हुए चेन्नई ने 11 गेंद शेष रहते जीत हासिल कर ली। अनुभवी रहाणे, जिन्होंने कई आईपीएल टीमों का प्रतिनिधित्व किया है, ने अपना अर्धशतक मात्र 19 गेंदों में पूरा कर इस सत्र का सबसे तेज अर्धशतक बना डाला। इन फॉर्म बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड ने 36 गेंदों पर नाबाद 40 रन बनाये। चेन्नई की तीन मैचों में यह दूसरी जीत है जबकि लगातार हार का सामना करने वाली मुम्बई को अभी अपना खाता खोलना है। आईपीएल के डिजिटल आधिकारिक प्रसारक जियो सिनेमा से रहाणे ने कहा, यह सब कुछ इस बात पर आता है कि आप कैसे खेलना चाहते हैं और आप खेलने के लिए कितने भूखे हैं। मैं हमेशा खेलने का लक्ष्य रखता हूं और टीम के लिए योगदान देना चाहता हूं। जब मुझे पता चला कि चेन्नई ने मेरे लिए बोली लगाई है तो मैं खुश हुआ। मैंने चेन्नई के ड्रेसिंग रूम के माहौल के बारे में काफी कुछ सुना था। लेकिन जब मैं यहां आया तो मैंने इसे महसूस किया। यह वाकई एक शानदार माहौल है। इससे खिलाड़ी को सहज होने में मदद मिलती है। माही भाई (एमएस धोनी) हर खिलाड़ी को खेलने की आजादी देते हैं। रहाणे की बल्लेबाजी के बारे में जियोसिनेमा के आईपीएल विषेशज्ञ सुरेश रैना ने कहा, यह पीली जर्सी की ताकत है। जैसा हम पारी के दौरान बात कर रहे थे कि रहाणे और ऋतुराज दोनों मुम्बई और महाराष्ट्र से हैं और इन पिचों को अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने इस मौके का बढ़िया इस्तेमाल किया। यह माही भाई के लिए दिलचस्प सिरदर्द बनने वाला है जब मोईन अली टीम में लौटेंगे। इस बीच

पूर्व भारतीय विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने कहा कि किसी को भी रहाणे से इस आईपीएल का सबसे तेज अर्धशतक बनाने की उम्मीद नहीं थी। पटेल ने पिछले कुछ वर्षों में आईपीएल में रहाणे के संघर्ष को याद किया। उन्होंने कहा, पारी के दौरान यह कभी नहीं लगा कि रहाणे जोखिम ले रहे हैं। वह हमेशा नियंत्रण में दिखे। वह अपनी इस पारी से खुश होंगे क्योंकि उन पर ठप्पा लगा है कि वह टी20 में बल्लेबाजी नहीं कर सकते। पिछले दो वर्षों में एक बार वह बिके नहीं और एक बार दिल्ली ने उन्हें रिलीज कर दिया। इसे देखते हुए वह अपने प्रदर्शन से रोमांचित होंगे।

दिल्ली को आत्ममंथन करने की जरूरत : रिकी पोंटिंग

गुवाहाटी, (एजेंसी)

दिल्ली कैपिटल्स के प्रमुख कोच रिकी पोंटिंग ने स्वीकार किया है कि आईपीएल 2023 में लगातार तीसरी हार झेलने के बाद दिल्ली की टीम को आत्ममंथन करने की जरूरत है। दिल्ली को यहां अपने तीसरे मैच में राजस्थान रॉयल्स के हाथों शनिवार को 57 रन से हार का सामना करना पड़ा। मैच में राजस्थान ने चार विकेट पर 199 रन का मजबूत स्कोर बनाया जबकि दिल्ली 20 ओवर में नौ विकेट पर 142 रन ही बना सकी।पोंटिंग ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमें अभी लम्बा सफर तय करना है। मैं किसी पर उंगली नहीं उठा सकता क्योंकि मैंने इन लड़कों को ट्रेनिंग और तैयारी करते देखा था। उनकी मेहनत अच्छी थी, ट्रेनिंग बढ़िया थी लेकिन यह सब कुछ मैदान पर परिणाम के रूप में नहीं दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा, हमें एक समूह के रूप में आत्ममंथन करना होगा। मैं खिलाड़ियों को इस बारे में सोचने के लिए छोड़ता हूं। हम इसका अगले दिन हल निकाल सकते हैं लेकिन हमें इसे जल्दी करना होगा। तीन मैच हो चुके हैं और कोई जीत नहीं। आप इससे ज्यादा खराब शुरूआत की उम्मीद नहीं कर सकते।शनिवार के मैच में पहले ओवर ने ही दिल्ली और राजस्थान के बीच सारा अंतर पैदा कर दिया था।

यशस्वी जायसवाल ने खलील अहमद के ओवर में पांच चौके जड़े। ट्रेंट बोल्ट ने दिल्ली की पारी की पहली दो गेंदों पर पृथ्वी शॉ और मनीष पांडेय को पवेलियन की राह दिखा दी थी। पोंटिंग ने कहा, पहले दो मैचों में हम शुरूआत में बिना कोई विकेट खोये 40 रन तक पहुंच गए थे लेकिन पॉवरप्ले के बाद हमने विकेट गंवाए। यहां स्थिति बिलकुल अलग थी। हम पहले ओवर में ही दो विकेट गंवा बैठे और उसके बाद मुकाबले में नहीं लौट पाए।दिल्ली का अगला मुकाबला मंगलवार को अरुण जेटली स्टेडियम में मुम्बई इंडियंस से होगा जिसमें डेविड वार्नर एंड कंपनी के पास वापसी करने का मौका रहेगा।

तेजस्विन ने रजत जीता

एरिजोना ।

भारतीय एथलीट तेजस्विन शंकर ने अमेरिका के एरिजोना में हुए टूर्नामेंट में डेकाथलन में रजत पदक जीत है। बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में ऊंची कूद में कांस्य पदक विजेता तेजस्विन ने 10 स्पर्धाओं की डेकाथलन में कुल मिलाकर 7,648 अंक हासिल किये। इस दौरान वह भारतिंदर सिंह के राष्ट्रीय रिकॉर्ड 7,658 से 10 अंक पीछे रह गये। तेजस्विन ने 10 स्पर्धाओं की डेकाथलन में कुल मिलाकर 7,648 अंक बटोरे हैं। इससे पहले भारतिंदर ने साल 2011 में 7,658 अंक हासिल किये थे। वहीं नेब्रास्का के टिल स्टेनफोर्थ 7845 अंक लेकर पहले स्थान पर आये हैं। तेजस्विन ऊंची कूद के खिलाड़ी हैं पर अब वह डेकाथलन में भी भाग लेने लगे हैं।

टीम अच्छी शुरुआत का लाभ नहीं उठा पायी : रोहित

मुंबई ।(एजेंसी)

मुम्बई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उनकी टीम अच्छी शुरुआत का लाभ उठाने में विफल रही। रोहित के अनुसार टीम के अनुभवी खिलाड़ियों को स्वयं आगे बढ़कर अच्छा प्रदर्शन करना होगा क्योंकि टीम इस सत्र में सफलता हासिल करने के इरादे से उतरी थी। उन्होंने कहा कि जीत के लिए हमें निडर होकर आक्रामक रुख अपनाते हुए बल्लेबाजी करनी होगी। अभी भी हमारे हाथ में काफी कुछ है , हमें कुछ अच्छी जीत हासिल कर लय में आना है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ इस मैच में रोहित ने इशान किशन के साथ अच्छी शुरुआत की थी पर टीम उसका लाभ उठाने में विफल रही। टीम के अनुभवी बल्लेबाज सीएसके के स्पिनर रवींद्र जडेजा का सामना नहीं कर पाये। मुंबई इंडियंस को इस प्राकर इस 16 वें सत्र में लगातारी दूसरी हार का सामना करना पड़ा है। रोहित ने कहा, अनुभव खिलाड़ियों को आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेनी होगी। हम आईपीएल के तरीके को जानते हैं, जब टूर्नामेंट शुरू होता है तो हमें कुछ तेजी हासिल करने की जरुरत होती है और जब आप ऐसा नहीं करते हैं तो जीत हासिल करना कठिन हो जाता है। अगर आप जीतते हैं तो मनोबल बढ़ा है वहीं जब आप हारते हैं तो उस हालात से बाहर आना कठिन हो जाता है। इस मैच में रोहित ने इशान के साथ पहले छह ओवरों में 61 रन बना दिये थे। इससे बाद टीम तेजी से रन नहीं बना पायी। उन्होंने, हमने बीच में अपना रास्ता खो दिया, हमें मिली शुरुआत को

भुनाने में नाकाम रहे। यह एक अच्छी पिच थी, 30-40 रन कम थे क्योंकि बीच के ओवरों का हम लाभ नहीं उठा पाये। इस मामले में सीएसके के स्पिनरों की भी प्रशंसा करनी होगी जिन्होंने हमारे बल्लेबाजों पर दबाव बनाये रखा। उन्होंने कहा, आपको जीत के लिए अलग-अलग प्रयोग करने होंगेहै, आपको आक्रमण करने और बहादुर बनने की जरूरत है। हमारे पास कुछ युवा खिलाड़ी हैं और उन्हें कुछ समय देना है। उनके पास असली प्रतिभा है और हमें उनका समर्थन करना होगा और उनकी क्षमता पर भरोसा दिखाना होगा जो हम कर रहे हैं। रोहित ने कहा कि विरोध टीम को दबाव में लाने के लिए हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

बोल्ट ने हमारे हाथ से छीना मैच : वॉर्नर

सैमसन ने अपनी टीम के स्पिनरों को सराहा

गुवाहाटी । दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान डेविड वॉर्नर ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में अपनी टीम की लगातार तीसरी हार पर निराशा जतायी है। वॉर्नर के अनुसार राजस्थान के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट के पहले ओवर में ही दो विकेट लेने से मैच हमारे हाथ से फिसल गया। बोल्ट ने इस मैच में 39 रन देकर तीन विकेट लिए। इस तेज गेंदबाज ने सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ और मनीष पांडे के विकेट लेकर दिल्ली के बल्लेबाजों पर दबाव बढ़ा दिया जिसे वह लक्ष्य का पीछा करने के दौरान बिखर गयी। कैपिटल्स की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 142 रन ही बना सकी। वॉर्नर ने कहा, ‘‘ बोल्ट ने पावरप्ले के दौरान शानदार गेंदबाजी करते हुए हमारे बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। ऐसे में 200 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पावरप्ले में ही शुरुआती विकेट गंवा देना नुकसानदेह था। वॉर्नर ने इस मैच में 65 रन बनाये पर वह आक्रमक होकर विरोधी टीम पर दबाव नहीं बना पाये। वहीं राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने अपनी टीम के स्पिनरों युजवेंद्र चहल और रविचंद्रन अश्विन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह बल्लेबाजों के अनुसार गेंदबाजी करते हैं। रॉयल्स को इस मैच में जीत मिली पर मिली पर टीम के कप्तान संजू सैमसन इस बार भी रन नहीं बना पाये। अपनी खराब बल्लेबाजी से निराश सैमसन के अनुसार वह पिच पर जमने के लिए कुछ समय अवश्य लेते हैं।

बटलर से सीखने को मिला : यशस्वी

गुवाहाटी । राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा है कि उन्हें आईपीएल में खेलने के दौरान ही टीम के साथी बल्लेबाज जोस बटलर से काफी कुछ सीखने को मिला है। यशस्वी ने दिल्ली के खिलाफ मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 31 गेंदों में 60 रन बनाये थे। उनकी इस पारी की सहायता से ही टीम कैपिटल्स के खिलाफ मैच में जीत दर्ज करने में सफल रही थी। यशस्वी ने कहा, मैंने कड़ी मेहनत की है। मैं अपने को अभिव्यक्त करने का भी प्रयास कर रहा हूं। सीखना मेरे लिए अहम है। मेरे लिए एक युवा खिलाड़ी के रूप में आगे बढ़ना भी काफी जरुरी है। मेरा प्रयास था कि हर कमजोर गेंद का लाभ उठाया जाये। मुझे लगता है कि मैंने बटलर से बहुत कुछ सीखा है। मैं यह देखने का प्रयास करता हूं कि वह कैसे अभ्यास करते हैं। मुझे पता था कि मैं कुछ गेंदबाजों के खिलाफ तेजी से रन बना सकता हूं। इस मैच में सलामी बल्लेबाज यशस्वी और बटलर के की अर्धशतकीय पारी के बाद ट्रेंट बोल्ट ने शानदार गेंदबाजी कर अपनी टीम की जीत तय कर दी। बोल्ट ने 29 रन देकर तीन विकेट लिए। इस प्रकार मैच में राजस्थान ने दिल्ली को 57 रनों से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए यशस्वी ने बटलर के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए तेज से 51 गेंद में 98 रन जोड़े। इसी कारण राजस्थान की टीम चार विकेट पर 199 रनों का अच्छा खासा स्कोर बनाने में सफल रही।

धोनी ने अपने स्पिनरों का बेहतर इस्तेमाल किया: शास्त्री

मुंबई ।(एजेंसी)

पूर्व क्रिकेटर रवि शास्त्री ने चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में बेहतर तरीके से पिच को समझते हुए अपने स्पिनरों रविन्द्र जडेजा और मिचेल सैंटनर का अच्छा इस्तेमाल किया। शास्त्री ने कहा, ‘धोनी ने मुंबई इंडियन्स के बल्लेबाजों के खिलाफ जडेजा और सैंटनर को इसलिए गेंदबाजी दी क्योंकि उन्हें मालूम हो गया था कि इस पिच पर ये दोनो ही मैच में अंतर पैदा कर सकते हैं।

इस मैच में सीएसके ने टॉस जीतकर मुंबई को बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किया और मेज़बान टीम ने वानखेड़े स्टेडियम पर अपना पहला मैच खेलते हुए अच्छी की। मुंबई ने रोहित शर्मा का विकेट खोने के बाद भी पावरप्ले में 61 रन बनाये। ऐसे में धोनी ने रन गति पर अंकुश लगाने स्पिनरों को लगाया और उनका ये प्रयोग सफल रहा। जडेजा और सैंटनर की जोड़ी ने आठ ओवर में 48 रन देकर कुल पांच विकेट लेकर मुम्बई की बल्लेबाजी को बिखेर दिया। वहीं पूर्व भारतीय

बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा, अपने कप्तान की तरह जडेजा भी बिल्कुल निडर हैं। उन्होंने कैमरन ग्रीन के असंभव से नजर आने वाले कैच को पकड़कर भी मैच में अपनी टीम की पकड़ बेहतर की।

दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह भी गावस्कर से सहमत नजर आये उन्होंने कहा, जडेजा सही मायने में विजेता है। वह गेंद या बल्ले से कभी भी मैच को पहला हैं। वहीं हरभजन ने इस मैच में तेजी से अर्धशतक लगाने वाले आजिंक्य रहाणे की भी तारीफ करते हुए कहा कि इसके लिए वह हमेशा याद रखे जायेंगे।

वार्नर तेजी से रन बनाना यशस्वी से सीखें या आईपीएल छोड़ दें : सहवाग

गुवाहाटी । टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने राजस्थान रॉयल्स के कप्तान डेविड वार्नर की आलोचना करते हुए कहा है कि अगर वह तेजी से बल्लेबाजी नहीं कर सकते हैं तो उन्हें आईपीएल खेलना छोड़ देना चाहिये। कैपिटल्स को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच जीत के लक्ष्य का पीछा करते हुए वार्नर 65 ने ललित यादव के साथ 64 रन की साझेदारी बनाने के दौरान अर्धशतक भी लगाया पर इसके बाद भी उनकी टीम हार गयी। सहवाग ने कहा कि वार्पर ने बेहतद धीमी बल्लेबाजी की। उन्हे राजस्थान के युवा यशस्व जायसवाल की तरह खेलना चाहिये था। सहवाग ने कहा, मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि हम उसे बताएं जिससे वार्नर को झटका लगे। साथ ही कहा कि वार्डर अगर तुम सुन रहे हो, तो अच्छा खेलो। 25 गेंदों में 50 रन बनाने यशुस्वी से सीखो, उन्होंने 25 गेंदों में चौके लगाए। यदि आप ऐसा नहीं कर सकते हैं, तो आईपीएल में मत खेलो। सहवाग ने साथ ही कहा , वहीं अगर वार्नर 55-60 रन बनाने की जगह तेजी से 30 रन पर भी आउट हो जाते तो भी टीम के अच्छा होता। ऐसे में रोवमैन पॉवेल और इशान पोरेल जैसे खिलाड़ी जल्दी बल्लेबाजी के लिए आ सकते थे। इनके आने से काफी कुछ हो सकता था। वार्नर के कारण बड़े शॉट लगाने वालों के लिए गेंदें ही नहीं बचीं थीं। कैपिटल्स को आईपीएल के इस सत्र में अगर अब भी आगे कीं संभावनाएं बनाये रखनी हैं तो उसे आने वाले सभी मैच जीतने होंगे।

स्पेनिश फुटबॉल लीग : विलारीयाल ने मैड्रिड को हराया

बार्सीलोना । सैमुअल चुक्वेज के दो गोलों की सहायता से विलारीयाल ने स्पेनिश फुटबॉल लीग में हुए एक रोमांचक मुकाबले में रीयाल मैड्रिड को 3-2 से हरा दिया। इस मैच में पॉल टोरेस के आत्मघाती गोल की बदौलत मैड्रिड को खेल की शुरुआत में ही एक गोल की बढ़त मिल गयी थी पर इसके बाद सैमुअल ने 39वें मिनट में एक गोल दागकर विलारीयाल को बराबरी पर ला दिया। हाफटाइम के बाद विनीसियस जूनियर ने एक गोल कर मैड्रिड को फिर 2- 1 से बढ़त दिला दी। जोस मोरालेस ने इसके बाद सैमुअल के पास पर गोलकर स्कोर 2-2 से बराबरी पर ला दिया। सैमुअल ने 80वें मिनट में एक और गोल कर विलारीयाल को 3-2 से बढ़त के साथ ही जीत दिला दी। की।

23 साल के शुभमन गिल ने रच डाला इतिहास, तोड़ा संजू सैमसन का अनोखा रिकॉर्ड

(एजेंसी)

गुजरात टाइटंस के ओपनिंग बल्लेबाज शुभमन गिल ने रविवार (9 अप्रैल) को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें मुकाबले में एक खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। गिल ने 31 गेंदों का सामना करते हुए 39 रन बनाए, जिसमें उन्होंने पांच चौके जड़े। इस पारी के दौरान गिल ने आईपीएल में अपने 2000 रन भी पूरे कर लिए। गिल आईपीएल के इतिहास में सबसे कम उम्र में 2000 रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। गिल 23 साल 214 की उम्र में इस आंकड़े तक पहुंचे हैं। गिल ने संजू सैमसन का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 24 साल 140 दिन की उम्र में यह कारनामा किया था। ऋषभ पंत (23 साल 27 दिन) इस लिस्ट में पहले स्थान पर हैं।

पारियों के हिसाब से गिल सबसे तेज 2000 आईपीएल रन के मामले में संयुक्त रूप से आठवें नंबर पर पहुंचे हैं, इसके लिए उन्होंने 74 पारियां खेली। शिखर धवन ने भी 74 पारियों में अपने 2000 आईपीएल रन पूरे किए थे। इसके अलावा गिल ने आईपीएल में अपने 2000 चौके भी पूरे कर लिए हैं। बता दें कि इस मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। गुजरात ने निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 204 रन बनाए। यह पहली बार है जब आईपीएल में गुजरात ने 200 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। गुजरात के लिए साईं सुदर्शन ने लगातार दूसरा अर्धशतक जड़ते हुए 28 गेंदों में 53 रन बनाए। वहीं पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए विजय शंकर ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 24 गेंदों में

चार चौकों और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 63 रन बनाए। शंकर ने पारी के आखिरी दो ओवरों में 41 रन बनाए।

इटली में सीरीज ए फुटबॉल में खेलते हुए लेजियो के खिलाड़ी सरजेई मिलीकोनोविक जुवेंटस के खिलाफ गोल करने के बाद साथी खिलाड़ियों के साथ उत्साहित नजर आये।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ास्तु दोष दूर करता है मोरपंख

र बेहद खूबसूरत पंछी है। ज्योतिष, वास्तु, ।, पुराण और संस्कृति में मोर का ्यधिक महत्व माना गया है। मोर पंख घर रखने से अमंगल टल जाता है। आइए नें 25 अनूठी बातें मोर पंख के बारे में.

मोर, मयूर, पिकॉक कितने खूबसूरत नाम है इस सुंदर से पक्षी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतने ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी -दवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय हैं। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय हैं। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं।

मोर के विषय में माना जाता है कि यह पक्षी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकांश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।

मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।

हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिन्ह के रूप में स्वीकार कर लिया गया।

ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थीं, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।

यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।

हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।

लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।

एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अध्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। क्वान-यिन जो कि अध्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। क्वान यिन : क्वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात क्वान-यिन से समीपता मानी गई है।

अगर आपके वैवाहिक जीवन में तनाव है तो अपने शयनकक्ष में मोरपंख रखें, इससे पति पत्नी के बीच प्यार बढ़ता है।

यदि शत्रुता समाप्त करनी हो या कि शत्रु तंग कर रहे हो, तो मोरपंख पर हनुमान जी के मस्तक के सिंदूर से उस शत्रु का नाम मंगलवार या शनिवार रात्रि में लिखकर उसे घर के पूजा स्थल में रखें व सुबह उठकर उसे चलते पानी मे प्रवाहित कर आएं।

- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर की दक्षिण दिशा में स्थित तिजोरी में खड़ा करके रखने से कभी भी धन की कमी नहीं होती है।
- राहु का दोष होने पर मोरपंख घर की पूर्वी और उत्तर पश्चिम की दीवार पर लगाएं।
- अगर आपके घर में मोरपंख है तो आपके घर में कोई भी बुरी शक्ति प्रवेश नहीं कर पाती है। यह घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करके सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर में रखने से आपके घर के सारे दोष दूर हो जाते है।
- यदि मोर का पंख घर के पूर्वी और उत्तर-पश्चिम दीवार मे या अपनी जेब व डायरी मे रखा हो तो राहू कभी भी परेशान नहीं करता है। मोरपंख की पूजा करे या हो सके तो उसे हमेशा अपने पास रखे। मोरपंख को घर में रखने से परिवार के सदस्यों की सेहत भी अच्छी रहती है।
- ग्रहों के अशुभ प्रभाव होने पर मोरपंख पर 21 बार ग्रह का मंत्र बोलकर पानी का छींटें दें, और इसे श्रेष्ठ स्थान पर स्थापित करें जहां से यह दिखाई दे।
- आर्थिक लाभ के लिए किसी मंदिर में जाकर मोरपंख को राधा कृष्ण के मुकुट में लगाएं और 40 दिन बाद इसे लॉकर या तिजोरी में रख दें।
- बुरी नजर से बच्चों को बचाने के लिए नवजात बालक को मोरपंख चांदी के ताबीज में पहनाएं।
- घर के मुख्य द्वार पर 3 मोरपंख लगाकर ऊँ द्वारपालाय नमः जाग्रय स्थापयै स्वाहा मंत्र लिखें और नीचे गणेश जी की मूर्ति लगाएं।
- आग्नेय कोण में मोरपंख लगाने से घर के वास्तु दोष को ठीक किया जा सकता है। इसके अलावा ईशान कोण में कृष्ण भगवान की फोटो के साथ मोरपंख लगाएं।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्नत के दरवाजे के बाहर अद्‌भुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।
- यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।

सुंदर कांड देता है मन को शांति, बढ़ाता है शुभ ऊर्जा

महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण पर आधारित महाकाव्य श्रीरामचरितमानस का पंचम सोपान है सुंदर कांड। इसमें रामदूत, पवनपुत्र हनुमान का यशोगान किया गया है, इसलिए सुंदर कांड के नायक श्री हनुमान को माना जाता हैं।

सुंदर कांड का पाठ मन को शांति देने तथा शुभ ऊर्जा बढ़ाने का काम करता है। सुंदर कांड का नाम सुंदर कांड क्यों रखा गया...

दरअसल, जब हनुमान जी, सीता जी की खोज में लंका गए थे और लंका त्रिकुटांचल पर्वत पर बसी हुई थी। त्रिकुटांचल पर्वत यानी यहां 3 पर्वत थे। पहला सुबैल पर्वत, जहां के मैदान में युद्ध हुआ था। दूसरा नील पर्वत, जहां राक्षसों के महल बसे हुए थे। तीसरे पर्वत का नाम है सुंदर पर्वत, जहां अशोक वाटिका निर्मित थी। इसी वाटिका में हनुमान जी और सीता जी की भेंट हुई थी। सुंदर पर्वत पर ही सबसे प्रमुख घटना घटित होने के कारण इसका नाम सुंदर कांड रखा गया। सुंदर पर्वत पर ही अशोक वाटिका थी और इसी अशोक वाटिका में ही हनुमान और सीता जी का मिलन हुआ था इसीलिए इस कांड का नाम सुंदर कांड रखा गया। कहा जाता हैं कि यहां की घटनाओं में हनुमान जी ने एक विशेष शैली अपनाई थी।

वास्तव में श्रीरामचरितमानस के सुंदर कांड की कथा सबसे अलग है। संपूर्ण श्रीरामचरितमानस भगवान श्रीराम के गुणों और उनके पुरुषार्थ को दर्शाती है। सुंदर कांड एकमात्र ऐसा अध्याय है, जो श्रीराम के भक्त हनुमान की विजय का कांड है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार सुंदर कांड का पाठ हम सभी को सुनना और पढ़ना चाहिए क्योंकि यह पाठ सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला तथा किसी भी प्रकार की परेशानी या संकट से आप घिरे हुए हो तो सुंदर कांड पाठ पढ़ने या सुनने से यह संकट तुरंत दूर हो जाता है। इतना ही नहीं यह प्रभु श्रीराम के परमभक्त श्री बजरंग बली की विजय का कांड होने से हम पर प्रभु श्रीराम, माता सीता तथा हनुमान जी की अनन्य कृपा प्राप्त होती है तथा हमारे मन को शांति मिलती है।

हनुमान जी जल्द ही प्रसन्न होने वाले देवता माने जाते हैं, अतः प्रतिदिन सुंदर कांड का पाठ करने वाले मनुष्य के जीवन से नकारात्मक शक्तियां भाग जाती है तथा यह पाठ बल, बुद्धि, एकाग्रता, आत्मविश्वास बढ़ता है तथा जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलते हैं और हमारे अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।इसके अलावा भी सुंदर कांड पाठ पढ़ने के बहुत सारे लाभ हैं। विद्यार्थियों को यह पाठ अवश्य करना चाहिए, क्योंकि इसका विशेष लाभ मिलता है। यह आत्मविश्वास बढ़ाकर एक्जाम में अच्छे अंक दिलाने में मददगार है। यह मानसिक परेशानियां, व्याधियां, गृह क्लेश, ऋण/ कर्ज मुक्ति आदि कई समस्या में भी लाभदायी है।

श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर जहां पुरुषों को करना पड़ता है महिलाओं की तरह सोलह श्रृंगार

धर्म को लेकर हमारे देश में जहां तरह-तरह के प्रतबिंध लगाए गए हैं। देश में बहुत से मंदिर ऐसे हैं जिनमें महिलाओं का प्रवेश करने पर रोक होती है। ये मंदिर देश भर में इस तरह के लिए जाना जाता है कि यहां प्रवेश करने और पूजा करने के इच्छुक पुरुषों को बकायदा महिलाओं की ड्रेस में आना पड़ता है। इस मंदिर में उन्हें पूजा करने के लिए महिलाओं, किन्नरों पर कोई रोक नहीं है, लेकिन पुरुष अगर इस मंदिर में पूजा अर्चना करना चाहता है तो उसे महिलाओं की तरह पूरा सोलह श्रृंगार करना पड़ता है। यह खास मंदिर केरल के कोल्लम जिले में हैं जहां पर श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर में हर साल चाम्याविलक्कू त्यौहार मनाया जाता है। इस त्योहार में हर साल हजारों की संख्या में पुरुष श्रद्धालु आते हैं। उनके तैयार होने के लिए मंदिर में अलग से मेकअप रूम बनाया जाता है। पुरुष महिलाओं की तरह न केवल साड़ी पहनते है, बल्कि जूलरी, मेकअप और बालों में गजरा भी लगाते है। इस उत्सव में शामिल होने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है। यही नहीं ट्रांसजेंडर भी इस मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए आते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर में देवी की मूर्ति स्वयं प्रकट हुई थी। अपनी खास परंपरा के लिए दुनियाभर में मशहूर इस मंदिर के ऊपर कोई छत नहीं हैं। इस राज्य का यह ऐसा एकमात्र मंदिर है जिसके गर्भगृह के ऊपर छत या कलश नहीं हैं। ऐसी मान्यता है कि कुछ चरवाहों ने महिलाओं के कपड़े पहनकर पत्थर पर फूल चढ़ाए थे, जिसके बाद उस पत्थर से दिव्य शक्ति निकलने लगी। इसके बाद इसे मंदिर का रूप दिया गया। एक मान्यता यह भी है कि कुछ लोग पत्थर पर नारियल फोड़ रहे थे और इसी दौरान पत्थर से खून निकलने लग गया जिसके बाद से यहां देवी की पूजा होने लगी।

इन 6 जगहों पर भूलकर भी न पहनकर जाएं रुद्राक्ष

रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है।

रुद्राक्ष का अर्थ है रुद्र का अक्ष। यानी भगवान रुद्र की आंखें। माना जाता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है। कहते हैं कि 6 जगहों पर रुद्राक्ष पहकर गए तो शिवजी नाराज हो जाएंगे।

- **श्मशान** - रुद्राक्ष की माला या रुद्राक्ष को किसी भी रूप में धारण करके शमशान नहीं जाना चाहिए। जो शमशान के संत होते हैं वे रुद्राक्ष के नियमों का पालन करते हैं।
- **मृत्यु वाले घर** - जहां पर किसी की मृत्यु हो गई हो वहां पर भी रुद्राक्ष पननकर न जाएं। यदि आपके घर में किसी परिजन की मृत्यु हो गई है तो रुद्राक्ष को उतारकर किसी उचित स्थान पर रख दें।
- **शौचालय या स्नानघर** - टॉयलेट या बाथरूम में रुद्राक्ष पहनकर नहीं जाते हैं। ऐसा करने से घोर पाप लगता है। यह शिवजी का अपमान माना जाएगा।
- **मांस मदिरा सेवन के समय** - रुद्राक्ष पहकर कर मांस भक्षण करना या शराब पीना वर्जित है। इसी के साथ ही बूचड़खाने में जाना या किसी शराब की दुकान पर जाना भी वर्जित है। जहां पर मुर्गा, बकरा आदि कटना या बनता है उस स्थान से भी दूर रहें।
- **बालक के जन्म पर** - जहां पर किसी बच्चे का जन्म हुआ हो और प्रसूता रहती हो वहां पर रुद्राक्ष पहनकर जाना वर्जित है। एक माह तक नियम का पानल करना चाहिए। ऐसी जगह पहनकर जाने से रुद्राक्ष निस्तेज हो जाता है।
- **शयन कक्ष** - सोने से पहले रुद्राक्ष को उतारकर उचित स्थान पर रख देना चाहिए। सोने के दौरान जहां रुद्राक्ष के टूटने का अंदेशा रहता है वहीं इससे रुद्राक्ष अशुद्ध और निस्तेज हो जाता है।

चन्द्र घात के समय नहीं करना चाहिए कोई महत्वपूर्ण कार्य

चंद्र घात विचार वैसे तो बहुत विस्तृत विषय है परंतु यहां पर आप संक्षिप्त में जान लें। पहले के समय में जन्म पत्रिका या कुंडली बनाते समय में घात चक्र का विवरण या सारणी भी दी जाती थी, परंतु आजकल नहीं दी जाती है। हालांकि इसको अब कोई महत्व भी नहीं देता है।

- किस राशि के लिए कौन नक्षत्र, मास, तिथि, वार, प्रहर चन्द्र आपके लिए शुभ है या अशुभ है यह जानना ही चंद्र घात के अंतर्गत आता है।
- किसी राशि विशेष के लिए एक ही दिन तीन से ज्यादा घात मिले तो उस दिन सावधानी बरतनी चाहिए।
- इन सब प्राचीन घात सूत्रों को ध्यान में रखने से घटना को कुछ हद तक टाला जा सकता है या उस घटना की भयावता को कम किया जा सकता है।
- सिंह राशि के लिए तृतीया तिथि एवं उस दिन शनिवार विशेष घातक माना गया है।
- जीवन में जन्म से तृतीय, पंचम, सप्तम दशाएं कष्टकारक होती है। उसे ध्यान में रखकर ही कोई कार्य करें।
- मेष की पहली, वृष की पांचवीं, मिथुन की नौवीं, कर्क की दूसरी, सिंह की छठी, कन्या की दसवीं, तुला की तीसरी, वृश्चिक की सातवीं, धनु की चौथी, मकर की आठवीं, कुम्भ की ग्यारहवीं, मीन की बारहवीं घड़ी घात चन्द्र मानी जाती है।
- कहते हैं कि चंद्र घात में यात्रा करने पर, युद्ध में जाने पर, कोर्ट कचहरी में जाने पर, खेती कार्य आरंभ करने पर, व्यापार शुरू करने पर, घर की नींव लगाने पर घात चन्द्र वर्जित मानी गई है।
- घात चन्द्र में रोग होने पर मौत, कोर्ट में केस दायर करने पर हार और यात्रा करने पर सजा या झूठा आरोप और विवाह करने पर वैधव्य होने की शंका व्यक्त की जाती है।
- मेषादि द्वादश राशियों के लिए क्रमशः 1, 5, 9, 2, 6, 10, 3, 7, 4, 8, 11, 12 घात चन्द्र दोष होता है। जैसे मेष राशि वालों के लिए मेष का, वृषभ राशि वालों के लिए वृषभ से पंचम कन्या का शेष इसी प्रकार घात चन्द्रमा होता है।
- मेषादि राशियों के लिए क्रमशः कृत्तिका, चित्रा, शतभीषा, मघा, धनिष्ठा, आर्दा, मूल, रोहिणी, पूर्वाभाद्रपदा, मघा, मूल और पूर्वाभाद्रपदा नक्षत्रों के क्रमशः 1-2-3-3-1-3-2-4-3-4-4 और 4 चरण नक्षत्र घात चरण होते हैं। राज सेवा, युद्ध और विवाद में घात चन्द्रमा वर्जित है।

हरसिंगार का घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है

हरसिंगार के फूल बहुत ही सुंदर और सुगंधित होते हैं। यह घर आंगन की सुंदरता में चार चांद लगा देता है। इसका घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है। बहुत ही आसानी से आप इसे किसी भी नर्सरी से खरीदकर अपने घर आंगन में लगाएं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि को निमंत्रण दें। आओ जानते हैं कि इसे घर आंगन में लगाने से क्या होगा।

- हरसिंगार का वृक्ष जिसके भी घर के आसपास होता है उसके घर के सभी तरह के वास्तुदोष दूर हो जाते हैं।
- हरसिंगार के फूलों को खासतौर पर लक्ष्मी पूजन के लिए इस्तेमाल किया जाता है लेकिन केवल उन्हीं फूलों को इस्तेमाल किया जाता है, जो अपने आप पेड़ से टूटकर नीचे गिर जाते हैं। जहां यह वृक्ष होता है वहां पर साक्षात लक्ष्मी का वास होता है।
- हरसिंगार के फूलों की सुगंध आपके जीवन से तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भर सकने की ताकत रखते हैं। इसकी सुगंध आपके मस्तिष्क को शांत कर देती है। घर परिवार में खुशी का माहौल बना रहता है और व्यक्ति लंबी आयु प्राप्त करता है।
- हरसिंगार के ये अद्भुत फूल सिर्फ रात में ही खिलते हैं और सुबह होते-होते वे सब मुरझा जाते हैं। यह फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है।
- हृदय रोगों के लिए हरसिंगार का प्रयोग बेहद लाभकारी है। इस के 15 से 20 फूलों या इसके रस का सेवन करना हृदय रोग से बचाने का असरकारक उपाय है, लेकिन यह उपाय किसी आयुर्वेदिक डॉक्टर की सलाह पर ही किया जा सकता है। इसके फूल, पत्ते और छाल का उपयोग औषधि के रूप में किया जाता है।
- हरसिंगार के फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है। इसके फूल तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भरने की क्षमता रखते हैं।

डेलावेयर के फूड कोर्ट में फायरिंग में 3 घायल, मॉल करवाया खाली

वाशिंगटन । अमेरिका के डेलावेयर प्रांत के एक मॉल में गोलीबारी की घटना में 3 लोग घायल हो गए, जिसके बाद मॉल को खाली कराना पड़ा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। डेलावेयर राज्य पुलिस ने कहा कि पेंसिल्वेनिया के पास स्थित क्रिस्टीएना मॉल में हुई गोलीबारी के संदिग्ध को पकड़ा नहीं जा सका है। पुलिस ने टि्वटर पर कहा कि हम पुष्टि कर सकते हैं कि गोली लगने से तीन लोग जख्मी हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मीडिया से कहा कि क्रिस्टीएना मॉल और आसपास के इलाकों में फिलहाल सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है। पुलिस ने लोगों से क्रिस्टीना मॉल में जाने के लिए मना किया है। अपने परिचितों को तलाश रहे लोगों के लिए मॉल के उत्तरी द्वार पर एक डेस्क स्थापित की गई है। अतिरिक्त विवरण तत्काल उपलब्ध नहीं हो सका।

पाकिस्तान में नाबालिग बेटी से बलात्कार के दोषी बाप को मौत की सजा

पेशावर । पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक अदालत ने नाबालिग बेटी से बलात्कार के दोषी बाप को मौत की सजा सुनाई है। अधिकारियों के अनुसार लाहौर से 500 किलोमीटर दूर स्थित रहीम यार खान निवासी परवेज शहजाद ने चार महीने पहले अपनी 13 वर्षीय बेटी के साथ दुष्कर्म किया था। लड़की ने घटना के बारे में अपनी नानी को बताया, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया था। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश मोईन खोखर ने शुक्रवार को अभियोजन पक्ष द्वारा सुबूत और गवाह पेश किए जाने के बाद फैसला सुनाया और उसे मौत की सजा सुनाई।

पाकिस्तान में आईईडी विस्फोट में 2 सैनिकों की मौत

पेशावर । पाकिस्तान के खैबर कबायली जिले की बारा तहसील में शनिवार को एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट में कम से कम दो सैनिकों की मौत हो गई। मीडिया ने पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के हवाले से बताया कि हमले में नायब सूबेदार हजरत गुल (37) और सिपाही नजीर उल्लाह महसूद (34) मारे गए। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने कहा कि घटना के तुरंत बाद सुरक्षा बल और पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे और तलाशी अभियान शुरू किया, लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। इसी तरह की एक घटना शुक्रवार शाम को स्वाबी जिले में भी हुई, जहां आतंकवादियों ने एक हथगोले से उनके वाहन पर हमला किया, जिसमें एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इफ्तार से कुछ मिनट पहले प्रसिद्ध यार हुसैन मार्केट में स्वाबी हमले की सूचना मिली थी।

केन्या में ट्रक के अन्य वाहनों से टकराने से 10 की मौत

मिगोरी काउंटी । तंजानिया से लगी हुई पश्चिमी केन्या की सीमा के पास एक ट्रक अन्य वाहनों से टकरा गया। इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। स्थानीय पुलिस के एक कमांडर ने बताया कि दुर्घटना मिगोरी शहर में एक प्रमुख राजमार्ग पर ट्रक चालक के ब्रेक पर से नियंत्रण खो देने के कारण हुई। मिगोरी काउंटी के कमांडर मार्क वंजला ने बताया कि आशंका है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है।

नाइजीरिया में बंदूकधारियों के हमले में 30 की मौत

डकार । उत्तरी बुर्किना फासो में इस्लामिक चरमपंथियों ने कई हमलों में 44 लोगों की हत्या कर दी। सरकार ने गत दिवस शनिवार को यह जानकारी दी। साहेल क्षेत्र के गवर्नर लेफ्टिनेंट कर्नल पीएफ रोडोल्फे सोरगो ने घटना को लेकर बयान जारी किया। इसमें कहा गया कि जिहादियों ने सेनो प्रांत में कूराकू और तोंदोबी गांवों पर हमला किया। सोरगो ने गुरुवार व शुक्रवार को किए गए हमलों को घृणित और बर्बर बताया। उन्होंने कहा कि सरकार इलाके में शांति सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने लोगों से शांत रहने की अपील की। वहीं नाइजीरिया में बंदूकधारियों के हमले में 30 लोगों की मौत हो गई।

बंदूकधारियों ने बेन्यू राज्य के मगबान गांव में नागरिकों पर किया हमला

उत्तर-मध्य नाइजीरिया में एक शिविर पर हुए हमले में 30 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी सियुयेसे एनेने ने बताया कि बंदूकधारियों ने शुक्रवार शाम बेन्यू राज्य के मगबान गांव में आम नागरिकों पर हमला कर दिया। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। इस घटना को लेकर अभी कुछ भी दावे के साथ नहीं कहा जा सकता है। हमले में कुछ लोगों के घायल होने की भी खबर है। अधिकारियों ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस हमले के लिए कौन जिम्मेदार है, लेकिन संदेह स्थानीय चरवाहों पर है, जिनका अतीत में उत्तर-मध्य नाइजीरिया में भूमि को लेकर किसानों से विवाद रहा है। ऐसा हो सकता है कि इस वारदात का उस पुरानी घटना से कोई लिंक है। मालूम हो कि इससे कुछ दिन पहले ही राज्य के उमोगिडी गांव में हिंसा हुई थी। यहां बंदूकधारियों के दो अलग-अलग हमलों में कम से कम 50 लोगों की मौत हो गई थी।

आईएस ने कांगो के एक गांव में घुसकर 20 लोगों को मार डाला

- हमले की संयुक्त राष्ट्र ने की निंदा

मुसंडाबा-कांगो । इस्लामिक स्टेट ने शनिवार को पूर्वी लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो के एक गांव में घुसकर 20 लोगों को मार डाला। आईएस एक बयान में हमले की जिम्मेदारी ली है। अधिकारियों ने कहा है कि इस कत्लेआम में लगभग 20 लोग मारे गए हैं। इस्लामिक स्टेट ने अपने टेलीग्राम चैनल पर एक बयान में हमले की जिम्मेदारी ली है। बेनी के बाहरी इलाके में स्थित एक गांव मुसंडाबा में घुसकर आईएस के लड़ाकों ने 20 लोगों की निर्मम हत्या कर दी। अधिकारियों ने इसे क्रूर घटना करार दिया है। सेना और स्थानीय अधिकारियों ने एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेज (एडीएफ) पर हत्या का आरोप लगाया है, जो पूर्व में स्थित एक युगांडा समूह है। बेनी क्षेत्र के सैन्य प्रशासक कर्नल चार्ल्स ओमेगा ने कहा कि मुसंदबा गांव में शुक्रवार को हमने करीब 20 शव बरामद किए, जबकि स्थानीय कार्यकर्ता जेनवीर कासेरेका कसायिरियो ने कहा कि 22 शव पास के एक अस्पताल में लाए गए हैं। उत्तरी किवु क्षेत्र में सेना के एक प्रवक्ता एंथनी म्वालुशायने ने हमले की जानकारी देते हुए कहा कि सेना के साथ टकराव से बचने के लिए हमलावरों ने चाकू का इस्तेमाल किया। यह हमला उन दो हिंसा प्रभावित इलाकों में से एक है, जहां पिछले एक साल से सेना मोर्चा संभाले हुए है। इससे पहले इसी हफ्ते कांगो के इटुरी प्रांत में एडीएफ द्वारा एक और नरसंहार किया गया था। इस हमले में 30 लोग मारे गए थे। इस हमले की संयुक्त राष्ट्र ने निंदा की है।

मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डियों को प्रभावित कर रहा खतरनाक वायरस

यॉर्कशायर । इंग्लैंड में टिक-जनित (कीड़ा जनित) एन्सेफलाइटिस वायरस के 3 गंभीर मामले सामने आए हैं। इन तीनों मामलों की पुष्टि की गई है। मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डियों को प्रभावित करने में खतरनाक वायरस का हाथ है। हैम्पशायर, डोरसेट, नॉरफ़ॉक और सफ़ोक सीमा क्षेत्रों में भी पता चला है। लेकिन यह भी हो सकता है कि यह वायरस कहीं और मौजूद रहा हो। क्योंकि वायरस फैलाने वाली टिक प्रजातियां यूके में कई जगह पायी जाती हैं। टिक-जनित एन्सेफलाइटिस संक्रमण एक वायरस के कारण होता है जो फ्लेविविरिडे परिवार का सदस्य है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, टिक-जनित एन्सेफलाइटिस के लगभग 10,000-12,000 क्लिनिकल मामले हर साल पूर्वी, मध्य, उत्तरी और पश्चिमी देशों में रिपोर्ट किए जाते हैं। यह वायरस टिक्स द्वारा ले जाया जाता है और हल्की फ्लू जैसी बीमारी, मेनिनजाइटिस, या सेंट्रल नर्वस सिस्टम में गंभीर संक्रमण जैसी बीमारियों का कारण बनता है। वायरस के कारण असिम्पटोमैटिक संक्रमण भी हो सकता है। वायरल संक्रमण के लक्षण तेज बुखार के साथ सिरदर्द, गर्दन में अकड़न, भ्रम या कम होश होना है। लक्षण मेनिनजाइटिस के समान हैं।

बैंकाक में किंग पावर महानखोन इमारत की छत पर योग का अभ्यास करते हुए लोग।

इमरान खान की याचिका पर लाहौर हाई कोर्ट में सुनवाई 12 को

-इमरान पर तोशाखाना की महंगी घड़ी कम दम में बेचने का आरोप

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की एक अदालत ने देश के अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले की बहुप्रतीक्षित सुनवाई के लिए शनिवार को 12 अप्रैल की तारीख तय की। मीडिया के अनुसार न्यायाधीश शाहिद बिलाल हसन की अध्यक्षता वाली लाहौर उच्च न्यायालय की पांच सदस्यीय पीठ याचिका पर सुनवाई करेगी। इसमें कहा गया कि अदालत 12 अप्रैल को सुनवाई फिर से शुरू करेगी और इस मामले में दोनों पक्षों को अपनी दलीलें पेश करने की अनुमति देगी। पाकिस्तान में तोशाखाना एक सरकारी विभाग है, जहां अन्य सरकारों के प्रमुखों, विदेशी हस्तियों द्वारा राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सांसदों, नौकरशाहों और अधिकारियों को दिए गए उपहारों को रखा जाता है। इमरान खान पर तोशाखाने में रखे गए तोहफों (जिसमें उन्हें तत्कालीन प्रधानमंत्री होने के नाते मिली एक महंगी घड़ी भी शामिल है) को कम दाम पर खरीदने और फिर उन्हें बेचकर लाभ कमाने का आरोप है।

अमेरिका करने जा रहा था यूक्रेन को युद्ध में मदद, सारा सीक्रेट प्लान हुआ चौपट

मास्को (एजेंसी)। अमेरिका द्वारा यूक्रेन को युद्ध में मदद करने का सारा सीक्रेट प्लान चौपट हो गया है। दसअसल रूस लगातार आरोप लगा रहा है कि यूक्रेन के बहाने युद्ध को अमेरिका और उसके सहयोगी देश लड़ रहे हैं। रूस का आरोप है कि अमेरिका और उसके सहयोगी देश यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति कर इस लड़ाई को एक तरफ तो खींच रहे हैं दूसरी तरह वह वैश्विक मंचों पर अपील कर रहे हैं कि रूस युद्ध को समाप्त करे। रूस के इन आरोपों को तब और बल मिल गया जब यूक्रेन युद्ध से जुड़ी कुछ खुफिया जानकारी ऑनलाइन लीक हो गयीं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी जांच के आदेश दे दिये हैं लेकिन लीक दस्तावेजों को जिस तरह लोग सोशल मीडिया पर जमकर शेयर कर रहे हैं उससे अमेरिका और नाटो की खूब फजीहत भी हो रही है। साथ ही इस पूरे प्रकरण से अमेरिकी खुफिया एजेंसी और साइबर सुरक्षा पर भी सवाल उठ रहे हैं।

गौरतलब है कि जो दस्तावेज लीक हुए हैं उनमें दर्शाया गया है कि कैसे युद्ध में रूस के खिलाफ यूक्रेन की मदद के लिए अमेरिका और नाटो ने विस्तृत योजना बनाई थी। इस बीच, दस्तावेजों के लीक होने पर राष्ट्रपति बाइडन से डांट खाने के बाद पेंटागन ने कहा है कि वह इस पूरे प्रकरण से अवगत है और मामले की समीक्षा कर रहा है। वहीं, मीडिया में आई खबरों के मुताबिक जो दस्तावेज लीक हुए हैं उनमें कई चार्ट हैं जिनमें युद्ध से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां हैं। इसके अलावा लीक हुए दस्तावेजों में हथियारों की डिलीवरी से लेकर बटालियनों की ताकत के बारे में जानकारी और कुछ संवेदनशील विवरण भी शामिल हैं। यह सारी जानकारियां पांच सप्ताह पुरानी बताई जा रही हैं।

यूक्रेन में हथियारों व गोला-बारूद की भारी कमी, रूस भी मुश्किल में

कीव (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच एक साल से युद्ध जारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस समय यूक्रेन हथियारों और गोला-बारूद की भारी कमी से जूझ रहा है। ऐसे में उसने हमले कम कर दिए हैं। यूक्रेन की 59वीं मोटराइज्ड ब्रिगेड जहां पहले एक दिन में 20 से 30 शेल दागती थी, वहीं अब एक-दो या फिर बिना दागे ही काम चलाया जा रहा है। वहीं यूक्रेन के सैन्य अधिकारियों के अनुसार एक दिन में 7 हजार 700 शेल दागे जाते हैं, यानी हर 6 सेकेंड में एक फायर होता है। रूस की बात करें तो वह भी अपने हथियारों को सुरक्षित रखना चाहता है और गोला-बारूद का कम इस्तेमाल कर रहा है। इसके बावजूद वह यूक्रेन से तीन गुना ज्यादा फायरिंग करता है। यूक्रेन का कहना है कि हथियारों की कमी की वजह से युद्ध क्षेत्र में आगे बढ़ना मुश्किल हो रहा है।

यूरोपीय यूनियन ने कहा था कि अगले साल तक यूक्रेन को 10 लाख आर्टिलरी शेल दी जाएंगी। नाटो ने कहा था कि यूक्रेन की मदद करने के लिए बड़ी मात्रा में गोला-बारूद देना आसान काम नहीं है। यूके के सैन्य सूत्रों का कहना है कि यूक्रेन को बाखमुत के जिस रास्ते से हथियारों की सप्लाई मिलती थी, वहां रूस ने कब्जा कर रखा है और इससे सप्लाई बाधित हो गई है। यूक्रेन की सेना ने भी कहा था कि शहर पर उनकी पकड़ तो बनी हुई है, लेकिन चुनौतियां बढ़ गई हैं। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन अकसर पश्चिमी देशों से हथियार मांगता रहता है। अमेरिका जैसे देश उसे एडवांस हथियार दे भी रहे हैं। वहीं रिपोर्ट ये भी थी कि यूक्रेन ने म्यूजियम में रखे अपने हथियारों को भी युद्ध में उतार दिया था।

पाक पीएम शहबाज के आवास में घुसा संदिग्ध अफगानी, मचा हड़कंप

-गिरफ्तार कर पूछताछ के लिए आतंकवादरोधी विभाग को सौंपा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सरकारी आवास में शनिवार को घुसपैठ का मामला सामने आया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पीएम आवास में घुसपैठ करने वाला शख्स अफगान नागरिक है। उसे गिरफ्तार कर पूछताछ के लिए आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) को सौंप दिया गया है। प्रधानमंत्री आवास में तैनात सुरक्षाकर्मियों को यह नहीं पता चल पाया है कि संदिग्ध कहां से घुसा था। मीडिया के अनुसार संदिग्ध को तुरंत इस्लामाबाद पुलिस के आतंकवाद-रोधी विभाग ने हिरासत में ले लिया और उसे एक अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। घटना के कुछ समय बाद अधिकारियों ने और भी खुलासे किए। उन्होंने बताया कि संदिग्ध ने अफगानिस्तान का निवासी होने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि सीटीडी, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां संदिग्ध से पूछताछ कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सुरक्षा एजेंसियों ने संदिग्ध के सीसीटीवी फुटेज हासिल कर लिए हैं। फिलहाल, यह पता लगाया जा रहा है कि संदिग्ध अत्यधिक सुरक्षित प्रधानमंत्री आवास में कैसे घुसा। साथ ही यह भी जानने का प्रयास हो रहा है कि आखिर इस घुसपैठ के पीछे का मकसद क्या था।

8 आतंकवादी गिरफ्तार, हथियार और विस्फोटक जब्त

पाकिस्तानी अधिकारियों ने शनिवार को प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और इस्लामिक स्टेट (आईएस) से जुड़े 8 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से हथियार और विस्फोटक जब्त किए। पंजाब प्रांत के आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) ने खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस के साथ मिलकर प्रांत के विभिन्न जिलों में अभियान चलाए, जिसके बाद गिरफ्तारियां की गईं। सीटीडी के एक प्रवक्ता के अनुसार पंजाब आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) ने शनिवार को लाहौर और पंजाब प्रांत के तीन अन्य शहरों से प्रतिबंधित टीटीपी और इस्लामिक स्टेट (आईएस) के 8 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के पास से हथियार, विस्फोटक और अन्य प्रतिबंधित सामग्री बरामद की गई है। प्रवक्ता ने कहा कि आतंकवादियों ने महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और अन्य धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने की योजना बनाई थी। सीटीडी ने लाहौर, गुजरांवाला, डीजी खान और बहावलपुर में गिरफ्तार आतंकवादियों के खिलाफ 6 मामले दर्ज किए हैं और उन्हें पूछताछ के लिए एक अज्ञात स्थान पर स्थानांतरित कर दिया है।

राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने ईस्टर धमाकों के पीड़ितों को इंसाफ का भरोसा दिलाया

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने रविवार को भरोसा दिलाया कि 2019 में ईस्टर के मौके पर देश में हुए धमाकों के सभी पीड़ितों को इंसाफ मिलेगा। उन्होंने कहा कि ईस्टर पर हुए धमाकों के संबंध में कानूनी कार्यवाही स्वतंत्र रूप से, निष्पक्ष रूप से और बिना किसी दबाव के जारी है। राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने इस तरह के जघन्य कृत्यों की पुनरावृत्ति रोकने और देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। स्थानीय इस्लामी चरमपंथी समूह नेशनल तौहिद जमात (एनटीजे) से जुड़े नौ आत्मघाती हमलावरों ने 21 अप्रैल 2019 को तीन चर्च और तीन लग्जरी होटल में सिलसिलेवार विस्फोट किए थे, जिनमें 11 भारतीयों समेत 270 लोगों की मौत हो गई थी और 500 से ज्यादा लोग जख्मी हुए थे।

एनटीजे के आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) से संबंध हैं। विक्रमसिंघे ने ईस्टर पर अपने संदेश में कहा, ÷इस दुखद घटना से संबंधित कानूनी कार्यवाही बिना किसी दबाव के स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से की जा रही है। सभी पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के वास्ते इस दिशा में जमीनी स्तर पर जरूरी काम किए गए हैं।÷ राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि सरकार सभी श्रीलंकाई नागरिकों की आकांक्षाओं को साकार करने के लिए समर्पित है, फिर चाहे वे किसी भी नस्ल, धर्म, पार्टी या रंग के हों।

चीन के 71 मिलिट्री एयरक्राफ्ट व नौ नौसैनिक जहाजों ने ताइवान में की घुसपैठ

-चीन के एयर ड्रिल पर अमेरिका नाराज

ताइपे (एजेंसी)। चीन ताइवान पर हरकत करने से बाज नहीं आ रहा है। ताइवान रक्षा मंत्रालय ने ताजा बयान में कहा कि ताइवान स्ट्रेट मीडियन लाइन को पार करते हुए चीन के 71 मिलिट्री एयरक्राफ्ट और 9 नौसैनिक जहाजों ने घुसपैठ की। इसमें लड़ाकू विमान और बमवर्षक भी शामिल थे। ताइवान ने सख्त लहजे में कहा कि देश खतरों के आगे नहीं झुकेगा। चहीं चीनी जहाजों की एयर ड्रिल पर अमेरिका भी नाराज है। उसने एक बयान में कहा कि वह ताइवान में चीन की हर हरकत पर पैनी नजर रखे हुए है। ताइवान रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि शनिवार को शाम 4 बजे 71 चीनी सैन्य विमानों और 9 नौसैनिक जहाजों को ट्रैक किया गया। इसमें 45 विमान शामिल हैं, जो या तो ताइवान स्ट्रेट की मध्य रेखा को पार कर गए या दक्षिण पश्चिम से ताइवान के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश कर गए। ताइवान में घुसने वाले इन चीनी विमानों में जे-10, जे-11, और जे-16 लड़ाकू जेट, शीआन वाई-20 परिवहन विमान, एच-6के रणनीतिक बमवर्षक और केजे-500 शामिल थे।

ताइवान को हर मदद करने को तैयार अमेरिका: चीनी जहाजों की ताइवान में घुसपैठ पर अमेरिका ने सख्त लहजे में चेतावनी दी है। रविवार को ताइवान में अमेरिकी दूतावास ने कहा कि वह चीन की हर हरकत पर पैनी नजर रखे हुए है। अमेरिका ताइवान की संप्रभुता पर उसके साथ खड़ा है। अगर जरूरत पड़े तो हर मदद करने को तैयार है।

ताइवान के आसपास सैन्य अभ्यास कर रहा चीन: ताइवान राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन के लॉस एंजिल्स से ताइपे लौटने के बाद बौखलाए बीजिंग ने शुक्रवार को ताइवान के आसपास तीन दिनों के सैन्य अभ्यास की घोषणा की थी। वहीं ताइवान मंत्रालय ने चेंग कुंग-क्लास चांग चिएन मिसाइल फ्रिगेट से ली गई एक तस्वीर भी जारी की, जिसमें नौसेना के अधिकारी चीन के मानशान फ्रिगेट की गतिविधियों की निगरानी करते दिख रहे हैं।

यूएस के अस्पतालों में फैल रहा है कैंडिडा औरिस फंगस

-यूक्रेन के लिए समर्थन व मानवीय सहायता हासिल करने की करेंगी कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोर्गनटाउन। मार्च 2023 के आखिर में अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्रों ने तेजी से फैलते 'कैंडिडा औरिस' नामक फंगस को लेकर चेतावनी दी थी जिसकी वजह से देश में अस्पतालों में मरीज संक्रमित हो रहे हैं और उनकी मौत हो ही है। अमेरिका में इस फंगस से होने वाले संक्रमण में वृद्धि देखी गई है। वेस्ट वर्जीनिया विश्वविद्यालय में संक्रामक रोग के प्रोफेसर एवं फिजिशियन (चिकित्सक) आरिफ आर. सरवरी ने कैंडिडा औरिस के बारे में बताया कि यह किस तरह से फैल रहा है और अमेरिका में लोग इससे कैसे चिंतित हैं। कैंडिडा औरिस की पहचान हाल में हुई है जो एककोशिकीय फंगस है और यह मनुष्यों को संक्रमित कर सकता है और यह फंगस रोधी दवाओं के प्रति मध्यम रूप से प्रतिरोधी है। अन्य फंगस से संक्रमण की तुलना में कैंडिडा औरिस से संक्रमण अधिक खतरनाक है।

कैंडिडा औरिस एक प्रकार का 'यीस्ट' है जिसकी सबसे पहले पहचान 2009 में हुई थी और यह कैंडिडा परिवार की कई प्रजातियों में से एक है जो लोगों को संक्रमित कर सकता है। स्वस्थ लोगों को कैंडिडा के संक्रमण से चिंतित होने की जरूरत नहीं है। लेकिन गंभीर बीमारियों से ग्रसित और अस्पतालों में गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती मरीजों को कैंडिडा औरिस से संक्रमित होने का जोखिम अधिक होता है। हाल के वर्षों में अमेरिका में फंगस, विशेष तौर पर कैंडिडा औरिस से संक्रमण के मामले बढ़े हैं। सीडीसी के अनुसार वर्ष 2013 से 2016 के बीच इसके कुछ मामले सामने आए लेकिन 2017 में इसके मामले तेजी से बढ़े और 2022 में इसके 2,377 मामले दर्ज किये गए। कैंडिडा औरिस के संक्रमण से मौत के मामले भी बढ़े हैं।

2018 में जहां इसके संक्रमण से 1,010 लोगों की मौत हुई थी, वहीं 2021 में यह संख्या बढ़कर 1,800 हो गई। इस वृद्धि के कारण जटिल हैं, लेकिन सरवरी के अनुसार इसके दो मुख्य कारण हो सकते हैं- पहला अस्पतालों में बीमार रोगियों के भर्ती होने की संख्या में इजाफा और स्वास्थ्य प्रणाली पर तबाव बढ़ना, दोनों ही कोविड-19 महामारी के दौरान बदतर हो गए थे। चिकित्सकों के अनुसार, इससे बचाव के कुछ प्रमुख उपाय हैं। इनमें सबसे प्रभावी उपाय संक्रमण से बचाव संबंधी आदतों को अपनाना यानी किसी मरीज से मिलने से पहले और बाद में हाथों को अच्छे से साफ करना, मरीज से मिलने के दौरान पहने गए वस्त्रों और दस्तानों को नष्ट करना एवं अन्य एहतियाती बचाव के उपाय शामिल हैं। हालांकि ये छोटे छोटे एहतियाती कदम न सिर्फ फंगस बल्कि अन्य रोगाणुओं पर भी असरदार होते हैं। दूसरा विकल्प है कि कैंडिडा के नए, एंटीफंगल-प्रतिरोधी स्वरूपों के इलाज के लिए बेहतर दवाएं विकसित की जाएं। हालांकि कई नयी एंटिफंगल दवाओं के विकास पर काम जारी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली के मेयर चुनाव की तारीख घोषित, 26 अप्रैल को चुना जाएगा महापौर

नई दिल्ली । दिल्ली में महापौर का चुनाव 26 अप्रैल को होगा। इसका ऐलान आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने किया है। हर वर्ष मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव किया जाता है, जो कि इस वर्ष 26 अप्रैल को होगा। अप्रैल के महीने में कानून के मुताबिक ही महापौर और उपमहापौर के लिए चुनाव किया जाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार चुनाव का आयोजन शांतिपूर्ण तरीके से किया जाएगा। वहीं अगर उपराज्यपाल के कार्यालय से नियमों और कानून का पालन किया जाएगा तो चुनाव आराम से हो सकते है। उन्होंने कहा कि पिछली बार जिस तरह से चुनाव हुए वो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। जिस तरह से उपराज्यपाल ने प्रोटम स्पीकर बनाया उसने काफी दिक्कतें पैदा की। सदन में नियमों की अवहेलना की गई, एल्डरमैन से संविधान के नियमों के विरुद्ध जाते हुए वोट डलवाए जाने की कोशिश की गई, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट को दखल देकर इसका विरोध करना पड़ा और फटकार लगानी पड़ी। कोर्ट ने भी कहा था कि नियमों की अवहेलना करना गलत है। ऐसे में इस बार चुनाव सही से करवाए जाने पर जोर देना चाहिए। सूत्रों के अनुसार ये संभावना है कि इस बार उपमहापौर को ही प्रोटम मेयर बनाया जा सकता है। वहीं उनके उपर जिम्मेदारी होगी की वो महापौर का चुनाव करवाए। इसके बाद नया मेयर बनने के बाद उसके ऊपर जिम्मेदारी होगी कि उपमहापौर और अन्य चुनाव कराए जा सकते है। गौरतलब है कि वर्तमान में स्टेंडिंग कमेटी के चुनाव का मामला वर्तमान में कोर्ट में है। ऐसे में उम्मीद है कि कमेटी के चुनाव के मामले में नतीजा जल्दी निकले।

राजद्रोह मामले में जेएनयू के छात्र की जमानत अर्जी पर सुनवाई सोमवार को

नयी दिल्ली । दिल्ली उच्च न्यायालय 2020 में शहर में हुए दंगे के एक मामले में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के छात्र शरजील इमाम की जमानत अर्जी पर सोमवार को सुनवाई करेगा। शरजील पर राजद्रोह का आरोप है। यह याचिका न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल और न्यायमूर्ति तलवंत सिंह की पीठ के सामने सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। इसमें निचली अदालत के 24 जनवरी 2022 के आदेश को चुनौती दी गई है, जिसके तहत इमाम की जमानत अर्जी खारिज कर दी गई थी। उच्च न्यायालय ने 30 जनवरी को दिल्ली पुलिस से जानना चाहा था कि क्या शरजील की जमानत अर्जी 'निर्णय' के लिए निचली अदालत के पास भेजी जा सकती है, क्योंकि इस राहत की मांग को खारिज करने संबंधी निचली अदालत के आदेश में उसका आधार नहीं बताया गया है। पीठ ने कहा था कि चूंकि, उच्चतम न्यायालय ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा- 124 ए (राजद्रोह) पर रोक लगा रखी है, ऐसे में शरजील के खिलाफ लगाए गए अन्य धाराओं को दिमाग में रखते हुए निचली अदालत के जमानत अर्जी खारिज किए जाने के आदेश का परीक्षण करना होगा। निचली अदालत ने पिछले साल शरजील पर आईपीसी की धारा 124 ए (राजद्रोह), 153 ए (वैमनस्य फैलाना), 153 बी (राष्ट्रीय एकता के लिए खतरनाक अवांछनीय हरकत), 505 (सामाजिक शांति भंग करने वाले बयान) तथा गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की धारा 13 (अवैध गतिविधि के लिए दंड) के तहत आरोप तय किए थे।

कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा की कार से नीलगाय टकराई, बाल-बाल बचे

चंडीगढ़ । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा (75) रविवार को सड़क हादसे में बाल-बाल बच गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हुड्डा रविवार को किसी समारोह में जा रहे थे, तभी हरियाणा के हिसार जिले में बरवाला के निकट एक नीलगाय उनकी एसयूवी से टकरा गई। हादसे में कार का आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हिसार के पुलिस अधीक्षक गंगा राम पुनिया ने पीटीआई-को बताया, ''अचानक एक नीलगाय सड़क पर आ गई और हुड्डा के वाहन से जा टकराई। हालांकि, वह बाल-बाल बच गए और वाहन में सवार किसी अन्य को कोई चोट नहीं आई।'' वहीं, हुड्डा ने बताया कि हादसे में किसी को चोट नहीं लगी।

जामताड़ा की गैंग मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ में सक्रिय

रीवा । झारखंड के जामताड़ा गैंग ने अब अपनी ठगी का तरीका बदल दिया है। यह गैंग पहले की तुलना में अधिक साजिश हो गई है। रीवा पुलिस के हत्थे गैंग का एक बदमाश गिरफ्तार हुआ है। उससे पूछताछ और मोबाइल की डिटेल से लाखों रुपए की ठगी का मामला उजागर हुआ है। रीवा पुलिस ने प्रदुमन मंडल नाम के 22 वर्ष युवक को गिरफ्तार किया है। इसने 150 लोगों को फोन करके 48 लोगों के साथ ठगी की है। यह सिम बंद होने का झांसा देकर, ठगी करता था। पूछताछ में बदमाश ने 50 से ज्यादा अधिक ठगी की घटनाओं को अभी तक स्वीकार किया है। इस बदमाश ने एसएएफ कॉलोनी निवासी आरक्षक हरीश चंद्र तिवारी के साथ फरवरी में फोन की सिम बंद होने की बात कहकर ठगी की थी। सिम चालू करने के नाम पर इसने 89000 रुपए,एक ऐप डाउनलोड कराकर फरवरी माह में ठगे थे। रीवा पुलिस इसी मामले की जांच कर रही थी। रीवा पुलिस जामताड़ा से प्रदुमन को 4 अप्रैल को गिरफ्तार कर रीवा लेकर आई थी। पुलिस ने आरोपी के पास से तीन मोबाइल फोन और बड़ी संख्या में सिम जप्त की है। जामताड़ा गैंग ने उड़ीसा के मुख्य सचिव, मेडिकल कॉलेज के रिटायर्ड डीन पीसी द्विवेदी सहित मध्य प्रदेश के सिवनी, बालाघाट, छिंदवाड़ा जिले में कई ठगी के मामले सामने आए हैं। मध्यप्रदेश विधानसभा में विधायक यशपाल सिसोदिया के लिखित सवाल पर गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने विधानसभा में जो जानकारी दी है। उसके अनुसार मध्यप्रदेश में 2018 से लेकर अभी तक 71 करोड रुपए की ठगी के मामले सामने आए हैं। झारखंड की जामताड़ा गिरोह इस मामले में सबसे आगे रहती है। इसको वहां से गिरफ्तार करना भी पुलिस के लिए बड़ा मुश्किल होता है।

बिजली गिरने से 8 की मौत

नई दिल्ली । मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक सहित देश के कुछ राज्यों में भारी बारिश और बिजली गिरने से देश में 8 लोगों की मौत हो गई है। इसमें मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के 4 लोग शामिल हैं। जिनकी मौत बिजली गिरने से हुई है। मौसम विभाग के अनुसार मध्य प्रदेश सहित पांच राज्यों में रविवार और सोमवार को भी हल्की एवं मध्यम बारिश की संभावना बनी हुई है।

कांग्रेस नेताओं के परिवारजनों को भाजपा में शामिल करने की सुनियोजित रणनीति

चेन्नई । दक्षिण के राज्यों में जो भी कांग्रेस के नेता थे। उनके पुत्र, प्रपौत्र और उनके परिवारजनों को भाजपा में शामिल कराने का काम भाजपा एक अभियान के तहत कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर देश के पहले गवर्नर जनरल सी राजगोपालाचारी के प्रपौत्र सीआर केसवन भी भाजपा में शामिल हो गए हैं। इसके पहले आंध्र के पूर्व मुख्यमंत्री किरण रेड्डी और केरल के कांग्रेस नेता एके एंटोनी के पुत्र अनिल एंटोनी भी भाजपा में शामिल हो गए हैं। दक्षिण के राज्यों में अपने पैर फैलाने के लिए, भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस के उन नेताओं के पुत्र और प्रपौत्र को भाजपा में लेकर आ रही है। जिनकी दक्षिण के राज्य में बहुत साख है। नेता पुत्रों और उनके परिवार जनों के जरिए भारतीय जनता पार्टी दक्षिण के राज्यों में अपना जनाधार बनाने की रणनीति तैयार की है। भाजपा इन दिनों बड़े पैमाने पर कांग्रेस परिवार के नेताओं को खोज- खोज कर ला रही है। जिनके स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन, अथवा स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस से निकट का संबंध रहा है। कांग्रेस नेताओं के बल पर दक्षिण में भाजपा अपने पैर जमाने जा रही है। अब इसमें उसे कितनी सफलता मिलती है। इसका पता समय आने पर लगेगा।

देश का पहला पेपरलेस डिजिटल कोर्ट

ढाणे । भारत का पहला डिजिटल डिस्टिक कोर्ट महाराष्ट्र के नवी मुंबई का वाशी जिला कोर्ट बना है। मुंबई हाईकोर्ट के जज गौतम पटेल ने इसका उद्घाटन किया। यह कोर्ट पूरी तरह से पेपरलेस है।

हाईकोर्ट के जस्टिस पटेल का कहना है,तमाम विरोधाभासों के बात भी पेपर लेस डिजिटल कोर्ट स्थापित करने में ढाणे ने बाजी मारी है। इसके बाद अन्य जिलों में भी डिजिटल पेपरलेस कामकाज बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ेगा। इसकी संभावना बन गई है।

केजरीवाल ने मांगी पीएम मोदी की डिग्री तो भड़के उपराज्यपाल सक्सेना, मुख्यमंत्री पर निशाना साधकर कही बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और सीएम अरविंद केजरीवाल के बीच एक बार फिर से जुबानी जंग शुरू हो गई है। दोनों कई बार एक दूसरे से भिड़ चुके है वहीं अब एक बार फिर से दोनों आपस में खींचतान करते नजर आ रहे है। इस बार दिल्ली के उपराज्यपाल ने विनय सक्सेना ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला बोला है।

हाल ही में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री पर सवाल उठाए हैं जिसके बाद उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने भी अब उनपर हमला बोला है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल का नाम लिए बिना ही कहा कि कुछ लोग आईआईटी से डिग्री लेने के बाद भी अशिक्षित रह जाते है। उन्होंने कहा कि कोई डिग्री मिलने पर कोई अहम या गुमान नहीं होना चाहिए। डिग्री पढ़ाई की रसीद है जबकि शिक्षा व्यक्ति के आदर्श दर्शाती है। उन्होंने विधान सभा में की गई बातों का जिक्र करते हुए कहा कि विधानसभा में हुई बातों को मैंने भी सुना है मगर अपनी डिग्री को लेकर किसी को इतना उतावला नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीते दिनों हमने ऐसा व्यवहार देखा है जिससे साबित हो गया है कि आईआईटी की डिग्री लेकर भी लोग अशिक्षित हो जाते है।

गौरतलब है कि दिल्ली उपराज्यपाल विनय सक्सेना और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दोनों के बीच लगातार सरकार के कामकाज, बिजली सब्सिडी, टीचर्स को फिनलैंड भेजने, निगम महापौर का चुनाव समेत कई मसलों पर विवाद चरम पर है। वर्तमान में आया उपराज्यपाल का बयान भी दोनों नेताओं के बीज जारी तनातनी का ही नतीजा है।

सरकार विरोधी गाने को लेकर 'रैपर' के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई । मुंबई पुलिस ने सरकार और प्रशासनिक तंत्र के खिलाफ कथित तौर पर गीत गाने को लेकर 'रैपर' उमेश खाडे के विरूद्ध मामला दर्ज किया है। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया ?कि इस सप्ताह दो 'रैपर' के खिलाफ सरकार को कथित रूप से निशाना बनाने को लेकर मामले दर्ज किये हैं। नये मामले के सिलसिले में मुंबई पुलिस की अपराध शाखा इकाई के एक अधिकारी ने शिकायत दर्ज की थी। अधिकारी ने बताया कि इस शिकायत के आधार पर वडाला क्षेत्र के रैपर उमेश खाडे के खिलाफ उनके गाने 'भोंगली केली जनता' (जिसमें जनता की पीड़ा का जिक्र है) को लेकर शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की गयी। उन्होंने बताया कि खाडे ने शंभो अकाउंट नाम से एक सोशल मीडिया मंच पर गाना अपलोड किया था और यह गाना वायरल हो गया। अधिकारी ने बताया कि खाडे के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 504 (शांति भंग करने की मंशा से जानबूझकर अपमान करना), 505 (2) (वर्गों के बीच वैमनस्य, शत्रुता एवं दुर्भावना फैलाने वाला बयान) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 67 (इलेक्ट्रोनिक रूप में अश्लील /अशोभनीय सामग्री प्रकाशित करना/फैलाना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि बृहस्पतिवार को खाडे से पूछताछ की गयी और पूछताछ के बाद उन्हें जाने दिया गया। जब ?कि शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज किये जाने के बाद खाडे को नोटिस जारी किया गया और उनसे कहा गया कि जब भी जरूरत होगी, उन्हें जांच अधिकारी के सामने पेश होना होगा। इधर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता जितेंद्र आव्हाड ने ट्वीट किया था कि खाडे के गाने में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है।

आदित्यनाथ ने देवरिया में 480 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया

देवरिया । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को देवरिया में 480 करोड़ रुपये से अधिक की 223 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। आदित्यनाथ ने इस दौरान यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जनपद देवरिया की परम्परा ऋषि-मुनियों व संतों से जुड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया के सामने एक आदर्श बन गया है। उन्होंने कहा, ''सुशासन का मोदी मॉडल, देश और दुनिया में देखने को मिल रहा है। आज भारत को एक आदर्श के रूप में देखा जाता है।'' उन्होंने कहा कि भारत में सुशासन का जो मॉडल है, उसी तर्ज पर उत्तर प्रदेश ने भी कार्य करना प्रारम्भ किया है। उन्होंने देवरिया के भलुअनी ब्लॉक के बहौर धनौती में नवनिर्मित स्व. मरजादी देवी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) का भी लोकार्पण किया। इस केंद्र की लागत 216.23 लाख रुपये बतायी गयी है।

नीतीश ने अडाणी मामले में पवार के बयान का नहीं किया समर्थन

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार के विचार का समर्थन करने से इनकार कर दिया जिन्होंने अडाणी समूह के खिलाफ आरोपों की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच की विपक्षी दलों की मांग पर विरोधाभासी रुख अपनाया था। नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) संसद में जेपीसी की जांच की मांग का समर्थन करती रही है। हालांकि कुमार ''उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति'' से जांच कराने के पवार के विचार से सहमत नहीं दिखे। पवार के रुख के बारे में पूछे जाने पर कुमार ने कहा, ''मुझे मीडिया से इस बारे में पता चला है।''

कुमार पिछले साल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विरोध में पार्टियों को एकजुट करने के प्रयासों के तहत पवार से मिले थे। कुमार ने कहा, ''इस बारे में उन्हें (पवार) विस्तार से बताना चाहिए कि वह क्या कह रहे हैं। अलग-अलग लोगों की अलग-अलग राय होती है।'' कुमार के साथ जद(यू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन भी थे जो हाल में संपन्न संसद सत्र के दौरान अडाणी मुद्दे पर काफी मुखर थे। 'एनडीटीवी' के साथ एक साक्षात्कार में, पवार अदानी समूह के समर्थन में सामने आए और समूह के बारे में अमेरिकी वित्तीय शोध कंपनी 'हिंडनबर्ग रिसर्च' की रिपोर्ट के बाद शुरू विमर्श की आलोचना की थी।

पवार ने कहा कि उन्होंने अडाणी समूह के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय की एक समिति का समर्थन किया, क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी के पास संसद में संख्या बल के आधार पर जेपीसी में बहुमत होगा और इससे इस तरह की जांच पर संदेह पैदा होगा। अडाणी समूह ने अपनी कंपनियों के खिलाफ 'हिंडनबर्ग रिसर्च' द्वारा शेयरों में हेरफेर के आरोपों से इनकार किया है। जद (यू) द्वारा यहां आयोजित इफ्तार में शामिल हुए मुख्यमंत्री से सासाराम और बिहारशरीफ शहरों में हाल में हुए सांप्रदायिक दंगों के बारे में भी पूछा गया। कुमार ने कहा, ''दोनों जगहों पर प्रशासनिक तंत्र काम कर रहा है। जिन लोगों को किसी भी प्रकार का नुकसान हुआ है, उन्हें मदद और राहत प्रदान की जाएगी।

छोटे मामलों पर समय बर्बाद करने को लेकर सीबीआई की होती रही है कड़ी आलोचना

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की छोटे मामलों पर समय गंवाने वाली छवि के कारण उसकी आलोचना की जाती रही है। एजेंसी ज्यादातर छोटी मछलियों को पकड़ने पर ध्यान देती है जबकि बड़े भ्रष्टाचार के मामलों की जांच प्रवर्तन निदेशालय करता है, जो धन शोधन निवारण अधिनियम से लैस है। सीबीआई को कभी देश की प्रमुख भ्रष्टाचार-रोधी एजेंसी माना जाता था, अब इसे प्रवर्तन निदेशालय के एक कमजोर चचेरे भाई के रूप में जाना जाता है। जैसे-जैसे मामले आगे बढ़ते हैं, सीबीआई की जांच में गुणवत्ता की कमी पाई जाती है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में उसके द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य अक्सर कमजोर होते हैं। आलोचकों का तर्क है कि हाई-प्रोफाइल भ्रष्टाचार के मामलों से प्रभावी ढंग से निपटने में असमर्थता के कारण सीबीआई की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। एजेंसी पर बहुत अधिक राजनीतिक होने का आरोप लगता रहा है। स्वायत्तता की कथित कमी के कारण इसका नेतृत्व संवीक्षा के दायरे में आ गया है।

इसके विपरीत, हाई-प्रोफाइल मामलों, विशेष रूप से मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित मामलों को निपटाने में इसकी सफलता के लिए प्रवर्तन निदेशालय की प्रशंसा हुई है। एजेंसी वित्तीय गड़बड़ी के लिए दोषी पाए गए व्यक्तियों और कंपनियों के खिलाफ मजबूत सजा और भारी जुर्माना लगाने के फैसले अपने पक्ष में हासिल करने में सफल रही है। सीबीआई की प्रतिष्ठा में गिरावट भारत के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि देश में भ्रष्टाचार एक प्रमुख मुद्दा बना हुआ है। एक मजबूत और स्वायत्त भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसी के बिना, भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़खड़ा सकती है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था तथा प्रतिष्ठा को और अधिक नुकसान हो सकता है। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की अगस्त 2022 में जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि 31 दिसंबर 2021 तक सीबीआई द्वारा जांच किए गए भ्रष्टाचार के 6,697 मामले विभिन्न अदालतों में लंबित थे, जिनमें से 275 मामले तो 20 साल से ज्यादा पुराने हैं। अन्य 1,939 मामले भी 10 साल से अधिक पुराने हैं। कुल 2,273 मामले पांच से 10 साल पुराने हैं जबकि 811 मामले तीन से पांच साल पुराने हैं। शेष 1,399 मामले तीन साल से कम समय से लंबित थे।

सचिन पायलट अशोक गहलोत के विरोध में उतरे, कहा भ्रष्टाचार के खिलाफ करेंगे एक दिवसीय अनशन

जयपुर । राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट 11 अप्रैल को ज्योतिबा फुले की जयंती के मौके पर एक दिवसीय अनशन करेंगे। इस दौरान जयपुर के शहीद स्मारक पर सचिन पायलट अनशन पर बैठेंगे। इस अनशन करने के ऐलान से सचिन पायलट ने साफ कर दिया है कि उन्होंने राजस्थान में अपनी ही सरकार के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस विधायक सचिन पायलट का कहना है कि राज्य में भ्रष्टाचार व्याप्त है जिसके खिलाफ कार्रवाई नहीं हो रही है। ऐसे में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को घेरने के लिए सचिन पायलट ने ये कदम उठाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष में रहने के दौरान जो भी घोटाले हुए हैं उन्हें अशोक गहलोत ने दबा दिया है। पायलट ने आरोप लगाया कि अशोक गहलोत ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के साथ सांठगांठ की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने विधानसभा चुनावों में जनता से वादा किया था कि भ्रष्टाचार के मामलों की जांच की जाएगी। मगर सत्ता में आने के बाद अपने वादों को अशोक गहलोत ने पूरा नहीं किया और भ्रष्टाचार के सभी मामलों को दबा दिया। हमारी सरकार ने भ्रष्टाचार मिटाने का वादा किया था मगर उस स्तर पर कोई काम नहीं हुआ है।

देश के अधिकतर राज्यों में 5 दिनों में 5 डिग्री तक बढ़ेगा तापमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर के अधिकतर राज्यों में पिछले महीने बारिश होने की वजह से लोगों को गर्मी से राहत मिलती रही। फरवरी में तापमान औसत से अधिक दर्ज किया गया था, लेकिन मार्च में इसमें काफी कमी आ गई। अब एक बार फिर से पारा बढ़ने लगा है। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों के लिए अलर्ट जारी करते हुए बताया है कि गर्मी का कहर बढ़ने वाला है। दरअसल, अगले पांच दिनों में देश के ज्यादातर राज्यों का अधिकतम तापमान तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी धीरे-धीरे तापमान में वृद्धि होने वाली है। आने वाले दिनों में यह तापमान बढ़ेगा ही। गुजरात में पारा एक बार फिर से 40 डिग्री को छूने वाला है। अहमदाबाद में तापमान मंगलवार को 40 डिग्री तक पहुंच जाएगा। इसके अलावा यूपी में भी गर्मी का कहर बढ़ने वाला है। राजधानी लखनऊ में 9 अप्रैल को अधिकतम तापमान 36 डिग्री रहा, जो 15 अप्रैल तक 40 डिग्री तक पहुंच जाएगा। वहीं, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, राजस्थान में भी गर्मी बढ़ने वाली है।

कई राज्यों में बारिश रहेगी जारी

मौसम विभाग के अनुसार देश के कुछ राज्यों में अब भी हल्की से मध्यम गति की बारिश जारी रहने वाली है। दक्षिण भारत के राज्यों तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल और केरल में अगले पांच दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। आंधी-तूफान की भी चेतावनी जारी की गई है। ओडिशा, बंगाल में भी हल्की बारिश का अलर्ट जारी। मध्य भारत में पश्चिमी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, विदर्भ में हल्की से मध्यम बारिश और आंधी तूफान की संभावना है।

अतीक अहमद की पत्नी के खिलाफ हुई एफआईआर, बेटों की मुश्किलें भी बढ़ी

प्रयागराज (एजेंसी)। उमेश पाल हत्याकांड में जेल में बंद गैंगस्टर अतीक अहमद के परिवार की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही है। अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन, बेटे अली और शूटर शाबिर के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। ये एफआईआर धूमनगंज थाने में लिखी गई है।

माना जा रहा है कि ये एफआईआर उमेश पाल हत्याकांड मामले में रिमांड पर लिए गए आरोपी राकेश उर्फ नाकेश उर्फ लाला से पूछताछ के बाद मिली जानकारी के बाद की गई है। प्रयागराज पुलिस ने उमेश पाल हत्याकांड मामले में माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन, बेटे अली, एक अन्य व्यक्ति मोहम्मद साबिर, राकेश उर्फ नाकेश उर्फ लाला और पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ धूमनगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

प्रयागराज पुलिस की मीडिया सेल द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, 24 फरवरी, 2023 को उमेश पाल और दो पुलिसकर्मियों की हत्या के संबंध में धूमनगंज थाना में दर्ज प्राथमिकी की विवेचना के दौरान अभियुक्त राकेश उर्फ नाकेश उर्फ लाला को पुलिस रिमांड पर लिया गया था।

अभियुक्त राकेश ने पूछताछ में बताया कि उसने शाइस्ता परवीन द्वारा दिए गए बैग को छुपाया था। इस अभियुक्त की निशादेही पर बरामद हुए सामानों में अली अहमद की फोटो लगे हुए दो आधार कार्ड भी थे, जिसमें एक आधार कार्ड में मोहम्मद साबिर पुत्र मुन्ने सिद्धिकी का नाम है जिसपर अली अहमद पुत्र अतीक का फोटो लगी है, जो कूटरचित प्रतीत होता है।

इस संबंध में शाइस्ता परवीन पत्नी अतीक अहमद, अली अहमद पुत्र अतीक अहमद, मोहम्मद साबिर, राकेश उर्फ नाकेश उर्फ लाला और पांच अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ शनिवार को थाना धूमनगंज में भारतीय दंड विधान की धारा 419/ 420/ 467/ 468/ 471 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया। इस मामले की विवेचना निरीक्षक संजय कुमार सिंह द्वारा की जा रही है।

इस संबंध में पुलिस सूत्रों का कहना है कि नकद इनाम बढ़ाने के बाद शाइस्ता पर नकेल कसे जाने के लिए पुलिस की तीन टीमें तैनात की गई है। शाइस्ता पर डोजियर तैयार हो गया है। उसके खिलाफ धोखाधड़ी और सहित चार आपराधिक मामले भी लंबित है।

शत-प्रतिशत टीकाकरण नहीं होने से तेजी से बढ़ रहा कोरोंना

-टीकों के प्रति अविश्वास के कारण नहीं हो सका ?नियंत्रण, लोगों को जागरुक करने की जरुरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन साल तक कोविड-19 के डर और दहशत में जीने के बाद जब दुनिया सामान्य स्थिति की ओर वापस लौट रही थी तो भारत में एक बार फिर संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है जो यह दर्शाता है कि महामारी अभी भी नियंत्रण में नहीं है। देश में शनिवार 8 अप्रैल को कोविड-19 के 6,155 नए मामले दर्ज किए गए और सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 30,000 से अधिक हो गई। जबकि रविवार को पांच हजार से अधिक नए मामले आ गए। दैनिक पॉजिटिविटी रेट का राष्ट्रीय औसत पांच प्रतिशत को पार कर 5.63 प्रतिशत पर पहुंच गया। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट 3.47 प्रतिशत रहा। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, नौ और लोगों की कोरोना से मौत के साथ ही मरने वालों की कुल संख्या 5,30,954 हो गई। वहीं ठीक होकर अस्पताल से छुट्टी पाने वालों की संख्या 4.41 करोड़ पर पहुंच गई। भले ही देश में टीकाकरण दर के आंकड़े बहुत उत्साहजनक हैं, फिर भी बहुत सारे कारक अभी भी लोगों को खुद को टीका लगाने से रोकने में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। टीकाकरण के साइड इफेक्ट को लेकर चल रही ढेर सारी अफवाहों के कारण लोग टीका लगवाने से डर रहे हैं।

सीके बिड़ला अस्पताल, गुरुग्राम में आंतरिक चिकित्सा विभाग के अध्यक्ष डॉ. रवींद्र गुप्ता ने कहा, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर टीकों के खिलाफ बहुत सारे नकारात्मक प्रचार हैं, जिसके कारण लोगों ने दूसरा शॉट या बूस्टर खुराक नहीं लिया। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान 16 जनवरी 2021 को शुरू हुआ था। अब तक कुल 220.66 करोड़ टीके लगाए जा चुके हैं। इनमें 95.21 करोड़ लोग सेकेंड डोज और 22.87 करोड़ लोग प्रिकॉशन या बूस्टर डोज भी लगवा चुके हैं। मंत्रायल के 8 अप्रैल 2023 के आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में टीके की 1,963 खुराकें लगाई गई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में टीकाकरण की दर और भी कम है। रोहतक के गढ़ी बोहर गांव के रहने वाले प्रवेश नांदल (38) ने मीडिया को बताया कि उनके गांव के अधिकांश लोगों ने टीके नहीं लगवाए हैं, लेकिन उन्होंने किसी तरह दोनों खुराक के लिए

सर्टिफिकेट प्राप्त कर लिया है। उन्होंने कहा, लगवाने के बाद भी कई लोगों की मौत होने के बाद अधिकांश ग्रामीणों ने इसे लेने से परहेज किया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group
Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई